mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-319 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
20 नवंबर 2024 बुधवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

यश दयाल बैकअप...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह मामले में 3 घंटे चली सुनवाई

हाईकोर्ट में 28 नवंबर को फिर सुनवाई, नई बेंच ने दोनों पक्षों की बातें सुनी

प्रयागराज (एजेंसी)। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह मामले में मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में तीन घंटे तक सुनवाई चली। चूंकि यह अहम मामला अब हाईकोर्ट की नई बेंच को चला गया है ऐसे में मंगलवार

की सुनवाई में कोर्ट ने दोनों पक्षों की बातें सुनीं। इस केस की सुनवाई के लिए जस्टिस न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्र को नामित किया गया था। मंगलवार को उन्होंने सुनवाई की। अब इस मामले की सुनवाई 28 नवंबर को होगी।

झांसी में नर्सिंग छात्रा किडनैप, 6 लाख फिरौती मांगी

पिता को हाथ-मुंह बंधा वीडियो-फोटो भेजा; बोले- पैसे नहीं मिले तो लाश घर भेजेंगे

झांसी (एजेंसी)। झांसी में नर्सिंग की एक छात्रा किडनैप हो गई। किडनैपर ने पिता को फोन कर 6 लाख रुपए की फिरौती मांगी है। उन्हें बेटी का वीडियो और फोटो भेजा है, जिसमें उसके हाथ-मुंह बंधे हैं। पैसों की डिमांड पूरी नहीं होने पर बेटी की लाश घर भेजने की धमकी दी गई है। घटना सोमवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही थी। मंगलवार को पीड़ित परिवार ने मीडिया को जानकारी दी। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। पूरा मामला टोडी फतेहपुर कस्बे का है।

मणिपुर में मारे गए कुकी उग्रवादियों के समर्थन में प्रदर्शन

सैकड़ों लोग खाली ताबूत लेकर सड़कों पर उतरे, कांग्रेस बोली- मोदी जी मणिपुर जाइए

नई दिल्ली/इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के लिए न्याय की मांग करते हुए कुकी समुदाय लगातार प्रदर्शन कर रहा है। मंगलवार

को भी चुराचांदपुर जिले में सैकड़ों लोगों ने खाली ताबूत लेकर मार्च निकाला। इस बीच कांग्रेस ने कहा है कि पीएम मोदी को अपनी जिद छोड़कर मणिपुर जाना चाहिए। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा- मणिपुर की समस्या से निजात पाने के लिए 5 हजार जवानों को भेजना हल नहीं है।

थाईलैंड- एअर इंडिया के 100 पैसेंजर 80 घंटे से अटके

दिल्ली जा रही फ्लाइट 3 बार टाली; एक बार उड़ान भरी, फिर फुकेत एयरपोर्ट लौटी

नईदिल्ली (एजेंसी)। थाईलैंड के फुकेत में 100 से ज्यादा भारतीय यात्री पिछले 80 घंटे से फंसे हुए हैं। ये पैसेंजर एअर इंडिया की फ्लाइट से दिल्ली लौट रहे थे, लेकिन टेक्निकल इश्यू की वजह से विमान उड़ान नहीं भर पा रहा।

बताया गया है कि दिल्ली जा रही फ्लाइट 3 बार टाली गई। एक बार उड़ान भी भरी, लेकिन ढाई घंटे बाद ही इसे फुकेत एयरपोर्ट पर लौटा लिया गया। यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानियों को शेयर किया। उनके मुताबिक फ्लाइट 16 नवंबर की रात दिल्ली के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन तकनीकी खराबी का हवाला देकर 6 घंटे के लिए टाल दिया गया। घंटों इंतजार के बाद यात्रियों को बोर्डिंग के लिए कहा गया, लेकिन एक घंटे बाद ही फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया।

अगले दिन उन्हें बताया गया कि फ्लाइट अब ठीक कर दी गई है। विमान ने उड़ान भरी, लेकिन करीब

इंटरनेशनल फ्लाइट को जयपुर में छोड़कर चले गए पायलट

- ड्यूटी टाइम पूरा हो गया था, 180 पैसेंजर 9 घंटे तक परेशान होते रहे

जयपुर (एजेंसी)। पेरिस से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की इंटरनेशनल फ्लाइट को पायलट जयपुर में छोड़कर चले गए। पायलट का कहना था कि उनके ड्यूटी आवर्स

पूरे हो गए हैं। फ्लाइट में सवार 180 से ज्यादा पैसेंजर 9 घंटे तक जयपुर एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे। इसके बाद में उन्हें सड़क मार्ग से दिल्ली भेजा गया। पेरिस से दिल्ली आ रहे पैसेंजर अखिलेश खत्री ने बताया- एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-2022 रविवार रात 10 बजे पेरिस से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। इसे सोमवार सुबह 10:35 बजे दिल्ली पहुंचना था। खराब मौसम की वजह से फ्लाइट दिल्ली लैंड नहीं कर पाई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के निर्देश पर पायलट ने दोपहर 12.10 बजे फ्लाइट को जयपुर एयरपोर्ट पर लैंड करवाया। पायलट एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से उड़ान के लिए क्लियरेंस मिलने का इंतजार करते रहे।

महाराष्ट्र में भाजपा महासचिव पर 5 करोड़ बांटने का आरोप

- ईसी ने विनोद तावड़े के पास से 9 लाख रुपए जब्त किए, एफआईआर कराई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से 1 दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर वोटर्स को पैसे बांटने का आरोप लगा है। चुनाव आयोग ने तावड़े के पास से 9 लाख रुपए

और कागजात बरामद किए हैं। आयोग के अफसरों ने विनोद तावड़े और भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई है। हितेंद्र ठाकुर की बहुजन विकास अघाड़ी के विधायकों ने आरोप लगाया कि तावड़े मंगलवार को 5 करोड़ रुपए लेकर विरार इलाके की एक होटल पहुंचे। उनके साथ नालासोपारा सीट से भाजपा प्रत्याशी राजन नाइक और दूसरे कार्यकर्ता भी थे। यहां उनकी मीटिंग चल रही थी।

सुप्रीम कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट उड़ाने की धमकी

मथुरा ईदगाह केस में सुनवाई से पहले पाकिस्तान से मैसेज आया, कहा- सभी मंदिरों को उड़ाएंगे

मथुरा (एजेंसी)। प्रयागराज रेलवे स्टेशन, इलाहाबाद हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को सोमवार देर रात बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। श्रीकृष्ण

जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष और जन्मभूमि-शाही ईदगाह केस में वाद दायर करने वाले आशुतोष पांडे के वॉट्सएप पर धमकी भरा वॉइस मैसेज आया। मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह केस में सुनवाई भी थी।

जी20 में पीएम मोदी बोले- जंग से दुनिया में खाने का संकट

गरीब देशों पर इसका सबसे ज्यादा असर, बाइडेन, मैक्रों, मेलोनी से मिले

रियो डि जेनेरियो (एजेंसी)। ब्राजील की राजधानी रियो डि जेनेरियो में सोमवार को जी20 समिट के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड लीडर्स से द्विपक्षीय मुलाकातें की थी। मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों, ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर, इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी, पुर्तगाल के पीएम लुइस मोंटेनेग्रो, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो और नॉर्वे के पीएम जोनास गेर स्टोर से द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत की।

समिट के दौरान पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से भी मिले और उनके बीच अनौपचारिक बातचीत भी हुई। पीएम मोदी ने जी20 समिट के पहले दो सेशन- 'भुखमरी और गरीबी के खिलाफ एकजुटता' और 'सरकारों के कामकाज में सुधार' पर भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टार्मर ने मोदी से मुलाकात के बाद कहा कि अगले साल भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर फिर से बातचीत शुरू की जाएगी।

विजय माल्या, नीरव मोदी लौटेंगे भारत! ब्रिटेन पर बना दबाव, पीएम मोदी ने कर दिया टाइट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से मुलाकात की है। यह मुलाकात जी20 सम्मेलन में हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिटेन से विजय माल्या और नीरव मोदी को भारत लाने को कहा। विजय माल्या और नीरव मोदी का ब्रिटेन में 'हनीमून' खत्म होने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन भगौड़ों को वापस लाने के लिए माहौल बना दिया है। जी20 समिट में पीएम मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर से मुलाकात की। इस दौरान विजय माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यर्पण पर भी बात हुई। ये दोनों करोड़ों भारतीयों को चूना लगाकर भागे हुए हैं।

म.प्र.-यूपी समेत 7 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

आगरा में जीरो विजिबिलिटी; राजस्थान के सीकर में तापमान 6.5 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर (एजेंसी)। देश में ठंड और कोहरे का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और बिहार में एक-दो दिन घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है।

राजस्थान में ठंड का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। सीकर के फतेहपुर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भरतपुर में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से कम रह गई।

हालांकि, देश में सबसे कम विजिबिलिटी (जीरो मीटर) आगरा में दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां आने वाले कुछ दिनों में कोहरा बना रहेगा।उधर, मध्य प्रदेश में भी भोपाल, ग्वालियर, भिंड, मुरैना और दतिया में घना कोहरा देखने को मिला।

फिरोजाबाद में कोहरे से आपस में टकराईं 6 गाड़ियां

मेरठ (एजेंसी)। यूपी में मंगलवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। फिरोजाबाद में आगरा-लखनऊ

एक्सप्रेस-वे पर खड़े ट्रक में कार घुस गई। फिर पीछे से आ रही 4 गाड़ियां भी एक-दूसरे से भिड़ गईं। हादसे में एक युवक को गंभीर घायल हो गया।

म.प्र. पहाड़ों में बर्फबारी से म.प्र.में सर्दी, पचमढ़ी में तापमान 10 डिग्री के नीचे

सर्द हवाएं चलने से मध्य प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडा है। यहां पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे है, जबकि भोपाल-जबलपुर में सामान्य से 2.4 डिग्री तक कम है। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों में बर्फबारी होने से म.प्र.में अगले कुछ दिन में सर्दी बढ़ेगी।

श्रीनगर में बर्फबारी का दौर जारी

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बर्फबारी का दौर लगातार जारी है। सोनमर्ग में सोमवार शाम से शुरू हुई बर्फबारी मंगलवार सुबह भी जारी रही। इस कारण पूरे उत्तर भारत में तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों पर वोटिंग आज

भाजपा 149, कांग्रेस 101 सीटों पर लड़ रही; 6 बड़ी पार्टियों समेत 158 दल मैदान में

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में टूट के बाद कुल 158 दल चुनाव मैदान में हैं। इनमें 6 बड़ी पार्टियां दो गठबंधनों का हिस्सा बनकर चुनाव लड़ रही हैं।

झारखंड विधानसभा की 38 सीटों पर आज वोटिंग

झारखंड विधानसभा चुनाव के आखिरी और सेकेंड फेज में आज 20 नवंबर को 12 जिलों की 38 सीटों पर वोटिंग होगी।

अमेरिका में समुद्र तट पर मिली 'प्रलय की मछली'

- अमूमन ये भूकंप के आने से पहले बाहर आती है
- इसे प्राकृतिक आपदा की निशानी कहा जाता है

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में दुर्लभ ओरफिश को देखा गया है। बुरी खबरों और तबाही की अग्रदूत कही जाने वाली ये मछली एनसिनिटास समुद्र तट पर मिली है। ओरफिश की इस प्रजाति को तीन महीनों में यहां तीसरा बार देखा गया है। स्क्रिप्स के एक फेसबुक पोस्ट के अनुसार, 9 फुट की ओरफिश को 6 नवंबर को सैन डिएगो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में स्क्रिप्स इंस्टीट्यूशन ऑफ ओशनोग्राफी के एलिसन लाफेरिएर द्वारा ग्रैंडव्यू बीच के तट पर पाया गया था।

इस साल तीसरी बार देखी गई, क्या किसी तबाही का संकेत ?

मछली को लेकर कई तरह की कहानियां

एटलस ऑब्स्कुरा के अनुसार, जापानी पौराणिक कथाओं में गहरे समुद्र में ओरफिश की उपस्थिति को भूकंप और सुनामी के अग्रदूत के रूप में दर्शाया गया है। ओशन कंजरवेंसी के अनुसार, मार्च 2011 में जापान में अब तक के सबसे बड़े रिकॉर्ड किए गए भूकंप से ठीक पहले 2010 में जापान के समुद्र तट पर ओरफिश को देखा गया था। नेचुरल वर्ल्ड फैक्ट्स ने ओरफिश को प्रलय की मछली कहे जाने की कहानी कहकर खारिज किया है। फैक्ट्स का कहना है कि भूकंप से पहले होने वाली टेक्टोनिक हलचल प्रजातियों को मार देती है। इससे भूकंप आने से ठीक पहले वे समुद्र तटों पर आ जाते हैं। जियोसाइंस के अनुसार, 2019 के एक अध्ययन में जापान में ओरफिश देखे जाने और भूकंप की घटना के बीच कोई संबंध नहीं पाया गया।

दुर्लभ है ओरफिश

ओरफिश एक दुर्लभ मछली है और अपने आकार की वजह से भी लोगों का ध्यान खींचती है। ये मछली अमूमन 12 फीट की होती है और कई बार 30 फीट तक बढ़ सकती है। ये बहुत आसानी से नहीं दिखती है। इसे कई वर्षों में एक बार देखा जाता है। इसकी वजह ये भी है कि ये मछली की यह प्रजाति गहरे समुद्र में रहती है। ये केवल तभी सतह पर आती है, जब रास्त भटक जाती हैं। किनारे पर आने के बाद इनकी मौत हो जाती है।

ग्रामीण विकास उत्सव, उत्पादों और कारीगरों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच-राज्यपाल मंगुभाई पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ग्रामीण विकास उत्सव, देश भर के कारीगरों और प्रसिद्ध उत्पादों के प्रोत्साहन का प्रभावी मंच है। ऐसे आयोजन ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। राज्यपाल श्री पटेल नाबार्ड द्वारा भोपाल हॉट बाजार में आयोजित ग्रामीण विकास उत्सव के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 19 से 27 नवम्बर तक आयोजित हो रहे ग्रामीण विकास उत्सव का फीता काटकर शुभारंभ किया। राज्यपाल श्री पटेल ने विगत 6 वर्षों से देशभर के कारीगरों के प्रोत्साहन के लिए उत्सव का आयोजन करने पर नाबार्ड को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नाबार्ड ऐसे आयोजनों का व्यापक और सघन स्तर पर प्रचार-प्रसार करें। राज्यपाल श्री पटेल ने स्थानीय मीडिया से भी अपील की कि देश के कारीगरों के उत्पादों के प्रचार-प्रसार में

भरपूर सहयोग करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि नाबार्ड, सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम, आजीविका एवं उद्यमिता विकास कार्यक्रम और गैर कृषि उत्पादक संगठन बनवाने जैसे विकास के महत्वपूर्ण प्रयास कर रहा है। कृषि, कुटीर, ग्रामीण एवं लघु उद्योगों हस्तशिल्प के विकास परक कार्यों के द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती और समृद्धि में प्रभावी योगदान दे रहा है। नाबार्ड द्वारा स्व-सहायता समूह की महिलाओं, हस्तशिल्पियों और कृषक उत्पादक संघों के सदस्यों के लिए कौशल विकास की कई योजनाएं भी चलाई जा रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि हमारे देश की आत्मा गांवों में बसती है। जब आत्मा मजबूत होगी तभी पूरा शरीर यानि हमारा देश मजबूत, सक्षम और आत्म-निर्भर होगा। उन्होंने नाबार्ड के ग्रामीण युवाओं के कौशल उन्नयन के द्वारा सम्मानजनक आजीविका पाने के प्रयास और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की दिशा में सार्थक कदम बताया। राज्यपाल श्री पटेल ने योजनाओं में प्रशिक्षित ग्रामीण किसानों, महिलाओं के समूहों और कृषक उत्पादक संघो के उत्पादों की बिक्री के लिए रूरल मार्ट, रूरल हाट और रूरल मार्ट ऑन व्हील्स जैसी पहल के लिए नाबार्ड की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि डिजिटलाइजेशन के दौर में ग्रामीण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्व-सहायता समूहों की भूमिका को विस्तारित किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल ने ग्रामीण विकास उत्सव के शुभारम्भ अवसर पर देश के प्रसिद्ध उत्पादों का अवलोकन किया।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय पुरुस्कार से डॉ. बी के जैन सम्मानित, बधाइयों का लगा तांता

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (एजेंसी)। संत रणछोड़ दास जी महाराज द्वारा चित्रकूट के जानकीकुंड में स्थापित श्री सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के निदेशक डा बी के जैन पुणे नेत्र सेवा प्रतिष्ठान द्वारा नेत्र सेवा के क्षेत्र में पाँच दशकों के अतुलनीय कार्य एवं योगदान के लिए राष्ट्रीय पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। पुणे (महाराष्ट्र) में आयोजित एक विशिष्ट समारोह में काइनेटिक ग्रुप ऑफ कम्पनी के चेयरमैन अरुण फिरोदिया ने प्रदान किया। समारोह में आयोजक डॉ.मधुसूदन झामवर प्रेसिडेंट, डॉ.सतीश देसाई अध्यक्ष, डॉ.राजेश पवार सचिव, डॉ.पी.डी. पाटिल की उपास्थिति में उत्कृष्ट नेत्र सेवा के कार्यों के लिए पुणे नेत्रसेवा प्रतिष्ठान की ओर से यह पुरुस्कार प्रदान किया गया, वही राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने की खुशी चाहने वालों की बधाइयों का तांता लगा हुआ है। आपको बता दें कि डा जैन नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही छाप बनाई है जिसके लिए वह राज्यीय, राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय सहित तमाम पुरस्कारों से देश के कोने कोने में सम्मानित किए गए। डा जैन नेत्र चिकित्सा क्षेत्र के साथ साथ सामाजिकता के क्षेत्र में भी अपनी अलग ही पहचान बनाई है वह हमेशा सबकी अनुशासित रहने की शिक्षा देते है और कहते है कि एक अनुशासित व्यक्ति जीवन में कभी असफल नहीं हो सकता।डा जैन अपने हर सम्मान/ पुरस्कार का श्रेय नेत्र चिकित्सालय के समस्त स्टॉफ/ कार्यकर्ताओं एवं सदगुरू परिवार के सभी सदस्यों को देते है, साथ ही कहते है कि मैं तो बस एक निमित्त मात्र हूं सब मेहनत तो हमारा स्टॉफ करता है इसलिए कोई भी सम्मान/ पुरस्कार मुझे नहीं हमारे एक एक कार्यकर्ता को मिलता है।

बाघ जैसे वन्यप्राणियों के विरुद्ध अपराध प्रकृति और वन के लिये खतरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव श्री वी. एन. अंबाडे ने उच्च न्यायालय द्वारा वन्य-जीवों से संबंधित अपराध में लिये गये निर्णयों के परिपालन में प्रदेश के वन परिक्षेत्र के सभी अधिकारियों को एडवायजरी जारी की है। एडवायजरी में उच्च न्यायालय के निर्णय सुनील खंडाते एवं अन्य विरुद्ध मध्यप्रदेश'' और उत्कर्ष अग्रवाल विरुद्ध मध्यप्रदेश'' में सुनवाई के दौरान निर्णय को भविष्य में समान प्रकृति के वन अपराधों में शासन हित में जमानत याचिकाओं के निरस्तीकरण के लिये उपयोग किया जा सकता है। स्टेट टाईगर स्ट्राईक फोर्स (स्ञ्सस्न) ने वन्यजीव से संबंधित संगठित अपराध गिरोह पर कार्रवाई की थी, जिसके बाद गिरफ्तार आरोपियों ने उच्च न्यायालय के समक्ष जमानत याचिकाएँ दायर की थी। माननीय न्यायालय ने बाघ जैसे वन्य प्राणियों के शिकार की घटना को सामान्य अपराधों के समान नहीं माना जा सकता, क्योकि ऐसा अपराध प्रकृति और वन के लिये खतरा है। कहते हुएजमानत याचिकाओं को खारिज किया। माननीय उच्च न्यायालय ने कहा कि वन्य-जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 के तहत जमानत देने मानदण्ड भारतीय न्याय संहिता के तहत अन्य अपराधों की तुलना में अधिक कठोर है। यह नारकोटिक्स, ड्रग्स एवं साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के प्रावधानों के सामान्तर है, जो जमानत के लिये सख्त शर्ते भी लगाता है। माननीय न्यायालय ने कहा कि वन्यजीव प्राणियों के अवैध व्यापार से सबंधित अपराधों की गंभीर प्रकृति के कारण ऐसे मामले जमानत के लिये आवश्यक आधारों को पूरा नहीं करते। न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया कि आरोपियों के खिलाफ आरोपों की गंभीरता देखते हुए मामले की आगे की जांच के लिये हिरासत में पूछताछ आवश्यक है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने समस्त क्षेत्र संचालक टाइगर रिजर्व, मुख्य वन संरक्षक (क्षेत्रीय), संचालक राष्ट्रीय उद्यान, वनमण्डलाधिकारी (क्षेत्रीय/वन्यप्राणी), संभागीय प्रबंधक वन विकास निगम एवं प्रभारी अधिकारी स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स क्षेत्रीय इकाई को निर्देश जारी किये हैं।

20 नवम्बर को 7वां प्राकृतिक चिकित्सा दिवस का कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल स्थित शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय चिकित्सालय के स्वास्थ्य कल्याण केंद्र में 7वां प्राकृतिक चिकित्सा दिवस कार्यक्रम का 20 नवम्बर को प्रातः 10-30 बजे होगा। यह कार्यक्रम केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित विषय प्राकृतिक चिकित्सा से समग्र स्वास्थ्य पर आधारित होगा। इसमें आदर्श पुरोधा एवं प्रतिमान योद्धा नामक दो सम्मान भी दिए जाएंगे। यह सम्मान प्राकृतिक जीवन के आदर्शो पर 90 वर्ष के ऊपर आयु के स्वस्थ सैनिकों को दिए जाएंगे। कार्यक्रम में सलाहकार केंद्रीय आयुष मंत्रालय श्री अशोक वार्ष्णेय एवं आयुक्त आयुष श्रीमति उमा माहेश्वरी आर सहित विभिन्न विषय विशेषज्ञ एवं चिकित्सक उपस्थित रहेंगे।

पराली में मौजूद फायबर पशुओं को अत्यंत प्रिय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। धान, गेंहू मक्का सहित अन्य खाद्य फसलों की कटाई के बाद शेष बचा हिस्सा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता रहा है। क्योंकि खेतों में अवशेष के रूप में इस हिस्से में किसान आग लगा देता है और इससे इंसानी बस्तियों, परिवेश और वातावरण प्रदूषित होता जाता है। हाल ही में कृषि अभियांत्रिकी विभाग भोपाल द्वारा नरवाई जलाने की घटनाओं का सेटेलाइट डेटा जारी किया गया है। बालाघाट जिले में कृषि की परम्परागत शैली से ऐसी घटनाएं बिल्कुल नगण्य सी है। जिले के उप संचालक कृषि श्री राजेश खोब्रागड़े बताते हैं कि बालाघाट में नरवाई (पराली) जलाने के मामले में यहां के किसान बेहद सजग हैं। यहां किसान धान का उपयोग तो अपने लिए करते ही है, जबकि धान कटाई के बाद शेष बचे हिस्से (खूंट या खूंटी) को पशुओं के भोजन के रूप में खेतों में ही रहने देते हैं और कुछ हिस्सा काटकर पशुओं के लिए पुंजनी या पुंजना या कहें रोल बनाकर सुरक्षित रख लेते हैं।

यहां परम्परागत रूप से खेती-किसानी का प्रबंधन बेहतर स्वरूप से दिखाई देता है। जिले में 15 सितंबर से 16 नवम्बर तक 6 घटनाएं पराली जलने की रिकॉर्ड हुई है। जिले में किसान हार्वेस्टर से कटाई के बावजूद एक फीट तक धान काटता है और रियर से कटाई करने पर भी कुछ हिस्सा शेष रखते है। यहां किसान धान का शेष भाग मुख्य रूप से पशुओं के लिए संरक्षित करते हैं और पूरे साल भर इसे पशुओं के चारे के रूप में उपयोग में लाते हैं। बालाघाट जिले में खरीफ की फसल में मुख्य रूप से धान का रकबा अधिक है। यहां इस वर्ष 2 लाख 60 हजार हेक्टेयर में धान उगाई गई। बालाघाट प्रदेश का एकमात्र जिला है, जो रबी सीजन में भी धान की फसल उगाता है। यहां रबी में करीब 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बुआई की जाती है। जिले में खरीफ धान की 60 से 70 प्रतिशत कटाई रिपर से हुई है, जबकि हाथों से मात्र 10 से 20 प्रतिशत। जिले के किसान नरवाई (पराली) या पैरा का उपयोग सदियों से विभिन्न तरीकों से करते आ रहे है। यहां पराली को पशुओं के चारे के रूप में, खाद बनाने के लिए, ऊर्जा उत्पादन के लिए, कम्पोस्ट खाद बनाने के लिए, मिट्टी की दीवार बनाने में और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के लिए भी किया जाता है।

निर्माण एजेंसियां कार्य पर लगातार नज़र रखे गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करे कार्य

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। निर्माण एजेंसियां कार्य पर लगातार नज़र रखे। निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करें। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने सोमवार को गोविंदपुरा में विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने गोविंदपुरा क्षेत्र के वार्ड 67 में लगभग 50 लाख रुपए की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को निर्देश दिए की कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें और सीसी रोड बनाते समय कॉलोनी में पानी का ठहराव नहीं हो ऐसी व्यवस्था करे। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने वार्ड-67 के सुंदर नगर में 22 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड लक्ष्मी नगर में 20 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी सड़क और राजीव नगर में 9 लाख रुपए की लागत के पेवर ब्लॉक निर्माण का भूमि-पूजन किया।

स्थानीय पार्षद श्रीमती ममता विश्वकर्मा, श्री प्रदीप लोधी, श्रीमती छाया ठाकुर, श्री पप्पू व्यास, श्री प्रमोद तिवारी, श्री मनोज विश्वकर्मा और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

तालाबों एवं बावडियों के जीर्णोद्धार की बनाएं कार्य-योजना-मंत्री पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों में रिजल्ट ओरिएंटेड काम किए जाएं। सभी तालाबों एवं बावडियों का जीर्णोद्वार करें। इसके लिये पंचायत बार कार्य-योजना बनाए चरणबद्ध तरीके से काम करें। पौध-रोपण के बाद उनका सर्वाइवल रेट अधिक रहे, इस पर भी कार्य किया जाए। मंत्री श्री पटेल ने सोमवार को मंत्रालय में पंचायत एवं ग्रामीण विकास के विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मनरेगा में गत 15 नवंबर की स्थिति में जिन जनपद पंचायतों में श्रम सामग्री का अनुपात सही होगा, उनमें ग्रेवल रोड, खेत तालाब तथा अन्य नये कार्य प्रारंभ करने की मंजूरी जारी की जा रही है। यह राशि 1 से 3 करोड़ रूपये तक स्वीकृत की जाएगी। उन्होंने कहा कि जैन मुनियों के प्रवास मार्ग चिन्हित कर प्रमुख मार्गों पर उनके रुकने के लिए समुचित व्यवस्था की जाये। शासकीय भूमि पर समुचित पौध-रोपण किये जायें।

समीक्षा में मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों में खेत सड़क एवं सुदूर सड़क योजना में सड़कों की मांग एक बार में ही चिन्हित कर ली जाये, जिससे स्वीकृति के लिए निर्णय लिया जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि स्कूल शिक्षा विभाग के तहत स्कूलों की बाउंड्रीवॉल निर्माण में मनरेगा कन्वर्जेंस रेट भी तय किया जाए।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि मनरेगा में किए जा रहे पौध-रोपण को बाउंड्रीवॉल से सुरक्षित किया जाए। पौधे जल-स्त्रोतों के निकट ही लगाये जाये कि ये पौधे सुरक्षित भी रहें। हम सबको इसके लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने नर्मदा नदी के किनारों पर सघन पौध-रोपण करने के निर्देश दिए। मंत्री श्री पटेल ने कहा कि ग्राम पंचायतों की जनपद स्तर पर क्लस्टर मीटिंग नियमित रूप से होना चाहिए। बैठकों में ग्राम विकास की कार्ययोजना तय की जानी चाहिए। उन्होंने विभाग के पदस्थ इंजीनियर्स की प्रापर ट्रेनिंग कराने के निर्देश भी दिए।

इंडिया ओपन राइफल और पिस्टल कॉम्पिटीशन 2024 का आयोजन भोपाल में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। संचालनालय खेल और युवा कल्याण, मध्यप्रदेश और भारतीय राष्ट्रीय रायफल महासंघ नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में 19 से 28 नवम्बर तक इंडिया ओपन राइफल और पिस्टल कॉम्पिटीशन 2024 का आयोजन मध्य प्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी ग्राम गौरा भोपाल में किया जा रहा है। शूटिंग अकादमी में रायफल, पिस्टल और शाटगन की अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अधोसंरचना निर्मित है।

पेरिस ओलम्पिक के प्रशिक्षण शिविर भोपाल में आयोजित हुये थे। पिछले वर्ष विश्व कप का भी आयोजन भोपाल में हुआ था। विभाग द्वारा उपलब्ध करायी जा रही अधोसंरचना और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण सुविधा को दृष्टिगत रखते हुये इण्डिया ओपन प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में देश भर के शूटिंग रायफल के 1719 और पिस्टल के 4780 सहित कुल 6499 खिलाड़ियों के प्रतिभागिता करने की संभावना है।

66वां अखिल भारतीय कालिदास समारोह रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इंदर सिंह परमार एवं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप के आतिथ्य में 66वें अखिल भारतीय कालिदास समारोह का रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय त्रिपदी परिवार के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप तराणेकर ने की। कार्यक्रम में सारस्वत अतिथि श्री सर्वेश्वर श्री रघुनाथ मंदिर माउण्टआबू राजस्थान के स्वामी श्री सियाराम दास जी महाराज थे।

कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा सुरबहार वादन, घुंघरू वादन एवं सरोद वादन की प्रस्तुति दी गई। स्वामी श्री सियाराम दास जी महाराज ने उद्बोधन दिया कि जिस प्रकार समुद्र के रत्नों का लाभ वहीं उठा सकते हैं, जो ज्यादा गहरा गोता लगा सकते हैं। उसी प्रकार भारतीय दर्शन का लाभ वही ले सकते हैं, जो महाकवि कालिदास की कृतियों को आत्मसात कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास सिर्फ कवि नहीं थे, वह अपने समय के महान वेदांती एवं मिमांसी थे।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चेतन्य काश्यप ने कहा कि अखिल भारतीय समारोह एक प्रतिष्ठित समारोह है। यह समारोह 7 दिन तक संगीत, नाटक, वाद-विवाद, संगोष्ठी, व्याख्यान-माला, सांस्कृतिक कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। उन्होंने कहा कि महाकवि कालिदास एक महान विद्वान थे। उनके ग्रंथ सिर्फ काव्य नहीं है, अपितु उनमें समाज के कल्याण के लिए संदेश भी निहित है। उनके काव्यों ने समाज में धर्म एवं संस्कृति का समावेश किया है। इसी के साथ उनकी रचनाओं में प्रकृति के प्रति प्रेम का अद्वितीय चित्रण है। महाकवि कालिदास की कर्मभूमि उज्जैन रही है, वे विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक रहे हैं। मैं भगवान श्री महाकालेश्वर की पावन भूमि अवंतिका को प्रणाम करता हूँ। उन्होंने कहा कि यह वर्ष उज्जैन के लिए गौरवशाली रहा है, यहां के नेतृत्वकर्ता डॉ. मोहन यादव को प्रदेश का मुख्यमंत्री भी बनाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में कालिदास समारोह में देश की महान विभूतियाँ शामिल हुई हैं। यह सांस्कृतिक विधाओं के प्रति मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रतिबद्धता दर्शाती है। इस समारोह के माध्यम से महाकवि कालिदास एवं संस्कृत विषय में विद्यार्थियों की रूचि पुन- जागृत हुई है, यह हमारे सांस्कृतिक उत्थान एवं अभ्युदय का प्रतीक है। समारोह हमारी भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री परमार ने कहा कि भारत की महान ज्ञान परंपरा का दर्शन महाकवि कालिदास के ग्रंथों से होता है। समारोह हमारी ज्ञान परंपरा का उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत में 300 साल पहले तक 7 लाख से ज्यादा गुरूकूल थे

जो कि शिक्षा के प्रमुख केन्द्र हुआ करते थे। भारत में नालंदा, विक्रमशिला, तक्षशिला जैसे विश्व में ज्ञान की गंगा बहाने वाले विश्वविद्यालय पुरातनकाल से रहे हैं।

मध्यप्रदेश बनेगा देश का लॉजिस्टिक्स हब -उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री एवं योजना एवं आर्थिक सांख्यिकी मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने मध्यप्रदेश के समग्र विकास के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में हो रहे कार्यों को अभूतपूर्व बताया है। उन्होंने कहा कि राज्य नीति आयोग द्वारा भी विकास के लिये सतत नवाचार किये जा रहे है। नीति आयोग एक नवीन पहल कर प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने नीति आयोग को इसके लिये की जा रही वर्कशॉप के लिये बधाई और शुभकामनाएँ दी। सोमवार को नीति आयोग ने आवश्यक रणनीति तैयार करने के लिये एक कार्यशाला की। कार्यशाला का विषय मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब- चुनौतियाँ और समाधान था। कार्यशाला में बताया गया

कि मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिये एकीकृत रणनीति बनेगी। मल्टी-मॉडल परिवहन के लिए बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इंदौर में राज्य का पहला मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, एमएलएलपी स्थापित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग की कार्यशाला में राज्य लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने, नीति-निर्माण में सुधार के लिए विचार-विमर्श किया गया। इसमें लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम को सुदृढ़ बनाने पर भी चर्चा हुई। कार्यशाला में केंद्रीय और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, नीति विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और विभिन्न हितधारकों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश देश के मध्य में स्थित होने के कारण लॉजिस्टिक्स के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। हालांकि, राज्य को लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में कुशल इनलैंड कंटेनर डिपो, वेयरहाउसिंग सुविधाओं, मल्टी-मॉडल परिवहन और एमएसएमई की आवश्यकताओं को पूरा करने में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है। इस नीति संवाद का उद्देश्य इन चुनौतियों का समाधान खोजना और आधुनिक, टिकाऊ और किफायती लॉजिस्टिक्स इकोसिस्टम विकसित करना था। मुख्य कार्यपपालक अधिकारी राज्य नीति आयोग श्री ऋषि गर्ग ने कहा कि यह संवाद सरकारी विभागों, हितधारकों और निजी क्षेत्र के लिए विचारों और समस्याओं को साझा करने का एक प्रभावी मंच है। इसके माध्यम से बेहतर नीतियाँ और कार्य योजनाएँ तैयार की जा सकेंगी।

डंपर ने ऑटो को टक्कर मारी, 4 की मौत

मां-बेटी समेत 1 साल की नातिन की जान गई, 3 घायल, सात लोग सवार थे

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के नेशनल हाईवे-39 में ग्राम बढ़ौरा के पास मंगलवार दोपहर 3 बजे डंपर ने एक ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटी और 1 साल की नातिन समेत चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को संजय गांधी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है।

घटना सीधी जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर बढ़ौरा की है। ऑटो रिक्शा सात लोगों को लेकर सीधी से चुरहट की ओर जा रहा था। वहीं, रीवा की ओर से तेज रफ्तार आ रहे डंपर ने ऑटो को टक्कर मार दी। ऑटो पलट गया और इसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। तीन लोगों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया।

हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भागा: हादसे के बाद डंपर चालक मौके से भाग निकला। लोगों को बताया कि हादसे के दौरान मौके पर काफी भीड़ जुट गई थी। इसी का फायदा उठाकर डंपर चालक मौके से फरार हो गया है। डंपर सड़क पर ही खड़ा रहा है। डंपर उत्तर प्रदेश रजिस्टर्ड है।

एसआई विकास सिंह ने बताया है कि जानकारी लगते ही सेमरिया चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई। सभी घायलों को डायल 100 और 108 एंबुलेंस के जरिए जिला अस्पताल ले गए हैं। जहां से कुछ घायलों को रीवा रेफर कर दिया है। घटना कैसे हुई इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

हादसे में इनकी हुई मौत: प्रेमवती तिवारी (45), मां सीता तिवारी (25), बेटी बिट्टू तिवारी (1), नातिन भोले तिवारी (37)

ये लोग हादसे में घायल: मोहित रावत (22), रजनीश तिवारी (46), डेढ़ साल का बच्चा

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सिहावल जनपद सभागार में बैठक संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशानुसार धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज द्वारा मंगलवार 19 नवंबर को सिहावल विकासखंड मुख्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं लाइन डिपार्टमेंट के 18 विभागों के अधिकारियों ध्कर्मचारियों को आमंत्रित कर कार्य योजना हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के जो 18 विभागों की 25 सेवाएं हैं और उनमें जो गैप है उसकी योजना बनाने और समय सीमा में शासन को प्रस्ताव भेजने के संबंध में निर्देशित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी ने संबंधित ग्राम के सचिवध् रोजगार सहायक से 18 विभागों की 25 सेवाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की तथा जो गैप है उसके प्रस्ताव उनसे आमंत्रित किए। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी सिहावल एसपी मिश्रा, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग डॉ डी के द्विवेदी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिहावल शैलेष पाण्डेय सहित सभी लाइन डिपार्टमेंट के जिलाध् विकासखंड स्तरीय अधिकारी तथा सचिवध्रोजगार सहायक उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार प्रदेश के 51 जिलों में किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा इस अभियान को बहुत ही संवेदनशीलता के साथ अनुसूचित जनजाति वर्ग के जीवन स्तर को सुधारने के लिए एवं उनके समग्र विकास के लिए संचालित किया जा रहा है, ताकि सभी जनजातीय बसाहटों में अधो संरचना संबंधी कार्य पूर्ण हो सकें। जिले में उक्त अभियान के तहत 134 गांव चिन्हित किए गए हैं, इसमें सिहावल विकासखंड के 14, सीधी के 48, रामपुर नैकिन के 11, कुसमी के 37 और मझौली के 24 गांव चयनित किए गए हैं।

स्कूल छोड़कर खाद लेने लाइन में लगे बच्चे

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर निप्र। शहर के सटई रोड स्थित गल्ला मंडी में मंगलवार की दोपहर खाद लेने के लिए किसान पूरे दिन परेशान रहे। किसान सुबह से ही भूखे-प्यासे खाद के लिए वेयरहाउस और गोदाम के चक्कर लगाते रहे। खाद के लिए लगे लाइन पुरुषों के साथ-साथ महिलाएं, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग भी नजर आए।

स्कूल ड्रेस में दिख बच्चे: 12वीं क्लास की रोशनी अहिरवार ने बताया कि हम लोग खाद लेने के लिए लाइन में लगे हैं। हमारे मम्मी-पापा ने कहा था कि खाद नहीं मिल रहा है, इसलिए आज स्कूल नहीं जाना है। तुम खाद के लिए लाइन में लग जाओ, इसीलिए हम लोग सुबह से ही खाद लेने के लिए लाइन में लग गई है।

बुजुर्ग पुरुष और महिला भी लाइन में लगे रहे: 70 साल के नाथूराम ने बताया कि सुबह से भूखे-प्यासे लाइन में लगे हैं, हमारे लड़के और हम 5 दिन से खाद के लिए परेशान है। सभी जगह चक्कर लगा लिए है कहीं भी खाद नहीं मिल रहा है।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

पीठ और गले पर चोट के निशान, परिजन बोले- हत्या की गई

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के रामपुर नैकिन अंतर्गत वार्ड 9 में 32 साल के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव मंगलवार दोपहर करीब साढ़े 3 बजे घर से 1 किमी दूर तालाब किनारे झोपड़ी में मिला है। युवक की पीठ पर चोट, गले पर फंदे के निशान मिले हैं। उसके कपड़े भी उतरे हुए थे। युवक सोमवार से लापता था। मृतक की पहचान अहमद खान के बेटे रहमत खान के रूप में हुई है।

पिता अहमद खान ने बताया कि सोमवार शाम बेटा सही सलामत घर से गया था, लेकिन वापस नहीं लौटा। उसके गले पर रस्सी से गला घोंटने के निशान हैं। पीठ पर चोट है। परिजनों ने कहा कि जब तक पुलिस हत्या का केस दर्ज नहीं करती, तब तक लाश नहीं उठाएंगे। वहीं घटना की सूचना पर रामपुर नैकिन का स्टाफ भी पहुंच गया था। एएसआई संजय सोनी ने बताया कि अभी मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद ही कुछ कह पाएंगे।

सरस्वती शिशु मंदिर मडरिया में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजीव कुमार पाण्डेय तथा जिला न्यायाधीश एवं सचिव वीरेन्द्र जोशी, चतुर्थ जिला न्यायाधीश गौतम कुमार गुजरे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लक्ष्मण डोडवे की अध्यक्षता में मंगलवार 19 नवंबर को सरस्वती शिशु मंदिर मडरिया जिला सीधी में सिद्धार्थ शुक्ला जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री संजीव कुमार पाण्डेय ने लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के बारे में बच्चो को बताया तथा किशोर न्याय (बच्चों की देखरेख और संरक्षण) की जानकारी दी।

भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय मड़वास में हुई प्रतियोगिताएं

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एवं प्राचार्य डॉ. आई.पी.प्रजापति के मार्गदर्शन में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत महाविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिता के द्वितीय दिवस की प्रतियोगिता सम्पन्न हुई । द्वितीय दिवस के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कृष्णलाल पयासी सदस्य जिला पंचायत सीधी उपस्थित थे तो वही विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री रोहिणी रमण मिश्रा विधायक प्रतिनिधि जनपद पंचायत मझौली उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के डॉ. लक्ष्मीकांत कुशवाहा ने की । कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. दीपक अग्निहोत्री ने किया।

आज की प्रतियोगिताओं में लोक नृत्य (समूह नृत्य),समूह लोक गान एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमे महाविद्यालय के छात्र/ छात्राओ ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में डॉ कमलेश जायसवाल डॉ अनुराग तिवारी डॉ निशा सिंह थे तो लोक गान प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में डॉ अमिता खरे डॉ आकांक्षा मिश्रा प्रो.प्रवीण कुमार साकेत थे लोक नृत्य समूह की विधा के निर्णायक डॉ संगीता मिश्रा डॉ ज्योति रजक प्रो प्रवीण कुमार साकेत एवं डॉ आकांक्षा मिश्रा उपस्थित थी ।

कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन डॉ रामधारी जायसवाल ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के डॉ सुरेंद्र गुप्ता डॉ संगीता मिश्रा डॉ पंकज मिश्रा डॉ राजेश कुमार पटेल सुंदर लाल प्रजापति अनिल केवट सहित महाविद्यालय के छात्र / छात्राय ऊपस्थित थे ।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 125 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

गेंदलाल बहेलिया की समस्या के निराकरण के साथ मिली ट्राइसाइकिल और वैशाखी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 125 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जनसुनवाई में जनपद पंचायत सीधी के ग्राम बरंबाबा से आये गेंदलाल बहेलिया ने अपने आवेदन पत्र के माध्यम से बताया कि 5 माह से निःशक्तता का पेंशन न मिलने के कारण जीवन यापन करने में समस्याएं आ रही है। कलेक्टर ने शिकायत का तत्काल निराकरण सामाजिक न्याय विभाग से कराया। साथ ही उनकी शारीरिक की स्थिति को देखते हुए ट्राई साइकिल और वैशाखी प्रदान कराई। आज समस्या का त्वरित निराकरण होने पर गेंदलाल बहेलिया खुश और संतुष्ट दिखे।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

त्योंथर विश्राम गृह में जनसुनवाई का हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर निप्र। विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने मंगलवार को विश्राम गृह त्योंथर पर लोगों की समस्याएं सुनीं और उनका मौके पर समाधान करने के निर्देश दिए हैं। विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में हर वर्ग तक सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। सबको पर्याप्त और समान अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।त्योंथर विधानसभा परिवार की जनता-जनार्दन के लिए शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ सहज प्राप्य हो सके, इसके लिए सदा प्रयत्नशील हूँ।

उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि लोगों की सामूहिक समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधि के नाते लोगों की समस्याओं का समाधान करवाना उनका दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी कहा कि लोगों की समस्याओं के समाधान में कोई तकनीकी या अन्य समस्या आ रही है, उस बारे उन्हें अवगत करवाएं।

बढ़े हुए बिजली के बिल सुधारने, पीएम सम्मान निधि एवं खाद्यान्न पर्ची में नाम जोड़ने का दिया निर्देश: इस दौरान विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज ने हर पात्र व्यक्ति का नाम प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं खाद्यान्न पर्ची में जोड़ने के निर्देश देते हुए बढ़े हुए बिजली के बिल भी सुधारने के निर्देश दिए।

बैठक में एसडीएम त्योंथर संजय जैन,जनपद पंचायत सीओ राहुल पांडे समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सिंगरौली के उप्र राज्य परिवहन डिपो में आग

20 से 25 मिनट में फायर ब्रिगेड ने काबू पाया

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली जिले के विंध्य नगर में उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम के डिपो में मंगलवार दोपहर आग लग गई। यहां सैकड़ों की संख्या में बसों के टायर रखे हुए थे। आग कैसे लगी, अभी इसका पता नहीं लगा है।

पार्षद ने इसकी सूचना विंध्यनगर थाना सहित एनटीपीसी के सेफ्टी विभाग को दी, क्योंकि यह बस डिपो एनटीपीसी परिसर से सटा हुआ है। एनटीपीसी का सीआईएसएफ डिपार्टमेंट तुरंत हरकत में आया और दो फायर ब्रिगेड मौके पर भेजे। करीब 20 से 25 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। वार्ड 36 के पार्षद प्रेम सागर मिश्रा ने बताया कि आग की लपटें दोपहर 3 बजे के आसपास देखी गई थीं, जिसके बाद पुलिस और एनटीपीसी प्रबंधन को सूचना दी गई थी। एनटीपीसी की दो फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पा लिया।

पुलिस की दो बड़ी कार्रवाई

एनडीपीएस एक्ट के तहत तीन आरोपी गिरफ्तार, 15 बोतल नशीली कफ सिरप जब्त

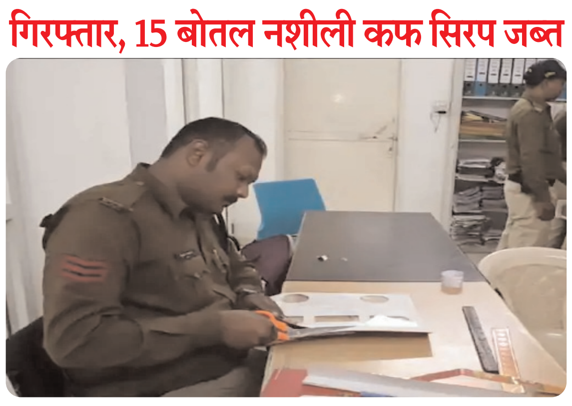

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पपौंध पुलिस ने मोटरसाइकिल से नशीली कफ सिरप की तस्करी कर रहे दो आरोपियों को पकड़ा, जिनके कब्जे से 15 बोतल नशीली कफ सिरप बरामद की गई। वहीं, खैरहा पुलिस ने एक अन्य कार्रवाई में जंगल के रास्ते गांजा ले जाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसके पास से 1.37 किलो गांजा बरामद हुआ।

पपौंध पुलिस की कार्रवाई: पपौंध थाना प्रभारी बृजेंद्र मिश्रा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर चांदबहरा गांव के पास मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों को रोका गया। चेकिंग के दौरान उनके पास से 15 बोतल नशीली कफ सिरप (कोरेक्स) बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओमप्रकाश प्रजापति पिता देवीदिन और राकेश जयसवाल के रूप में हुई है। दोनों आरोपी ग्राम कुआं में सिरप बेचने जा रहे थे। मोटरसाइकिल और बरामद सिरप की कीमत हजारों रुपए आंकी गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

खैरहा पुलिस की कार्रवाई: खैरहा थाना पुलिस ने सिरौंजा गांव के जंगल से प्रेमलाल बैगा पिता गहनू बैगा (55), निवासी देवगई को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के पास से 1.37 किलो गांजा, जिसकी कीमत 12,000 रुपये है, बरामद की। प्रेमलाल जंगल के रास्ते पैदल गांजा लेकर बेचने जा रहा था, तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अवैध कोयले के भंडारण पर कार्रवाई

पुलिस ने 14 टन कोयले को किया जब्त, दोनों आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर में चचाई थाना अंतर्गत पुलिस ने मंगलवार को कोयला चोरी कर भंडारण के आरोपी पर कार्रवाई की है। आरोपी सुरेश यादव और राजेश बरगाही निवासी वकही ने चोरी के कोयले का भंडारण किए था।

पुलिस ने अवैध चोरी का कोयला 14.68 टन जब्त किए हैं, जिसकी कीमती 44 हजार 40 रुपए हैं। फिलहाल, पुलिस दोनों आरोपी की तलाश में जुटी है।

चचाई थाना प्रभारी एसपी शुक्ला ने बताए कि ग्राम बकही में पूरन बैगा के घर के बाड़ी के पीछे खुली जगह पर सुरेश यादव और राजेश बरगाही दोनों निवासी ग्राम बकही ने कोयला चोरी कर अवैध रूप से बेचने के लिए भंडारण किए था। पुलिस ने दबिश देकर अवैध रूप से रखे कोयला को जब्त कर लिए।

भंडारण करने वाले आरोपी सुरेश यादव और राजेश बरगाही दोनों के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना में लिया है।

विचार

कैलाश गहलोत के इस्तीफे का झटका

दिल्ली में विधानसभा चुनावों से पहले आम आदमी पार्टी को एक बड़ा झटका लगा। दिल्ली सरकार के प्रमुख मंत्री कैलाश गहलोत ने जिस तरह से चुनावी वादों को पूरा न करने जैसे ऐसे अनेक मुद्दों का जिक्र करते हुए अपने पद एवं प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है जो अरविंद केजरीवाल की छवि पर सीधी चोट करने वाले हैं। दिल्ली के विकास की बजाय 'आप' सरकार का सारा समय केंद्र सरकार से झगड़ा करने में बीतने की बात कहकर गहलोत ने आम आदमी पार्टी की एक बड़ी कमजोरी को उजागर किया है, जो 'आप' के लिये एक बड़ा राजनीतिक संकट का संकेत है। अरविंद केजरीवाल ने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन शुरू करके इस पार्टी का गठन किया, लेकिन खुद एवं उसके अन्य बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की यात्रा कर आये, अनेक मतभेदों, विवादों एवं केजरीवाल के अहंकार, गलत नीतियों के चलते पार्टी के कई दिग्गज नेता पार्टी से दूर होते चले गए, जिनमें किरण बेदी, कवि कुमार विश्वास, आशुतोष, आशीष खेतान, शांति भूषण, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, शाजिया इल्मी और कपिल मिश्रा और अब कैलाश गहलोत जैसे नाम शामिल हैं। लगता है अब आम की झाड़ू ही नहीं, बल्कि आप के राजनीतिक मूल्य भी तार-तार हो गये हैं। आम आदमी पार्टी के बढ़ते संकट एवं गिरते राजनीतिक मूल्यों के कारण उसकी चुनौतियां खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। कैलाश गहलोत ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी को इस्तीफा भेजा है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने गहलोत का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। गहलोत ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देते हुए एक लम्बा पत्र केजरीवाल को भेजा है। उन्होंने इस्तीफे में यमुना की सफाई और शीशमहल निर्माण का मुद्दा उठाया है। गहलोत ने पत्र में आरोप लगाते हुए लिखा है कि जिस ईमानदार राजनीति के चलते वह आम आदमी पार्टी में आए थे, वैसा अब नहीं हो रहा है। उन्होंने पार्टी के संयोजक व पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के सरकारी आवास को शीशमहल करार देते हुए कई आरोप भी लगाए हैं। ऐतिहासिक भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से जन्मी इस पार्टी का यह हश्र एवं दुरगति राजनीतिक महत्वाकांक्षा का परिणाम है। आम आदमी पार्टी खुद को ईमानदारी के उच्चतम मानकों पर रखने का दावा भले ही करती रही हो, लेकिन उसने सत्ता का दुरुपयोग करते हुए राजनीतिक एवं नैतिक मूल्यों को ध्वस्त ही किया है।

सत्ता पाने के लिए नेताओं की संकीर्ण सोच

देश में राजनीतिक दलों का एकमात्र मकसद सत्ता पाना रह गया है। इसके लिए बेशक देश में मौजूद सांप्रदायिकता की खाई को और चौड़ा यों न करना पड़े। सांप्रदायिक लिहाज से मामूली हलचल भी नेताओं के लिए वोट बैंक एकजुट करने का सबब बन जाती है। इसके विपरीत सांप्रदायिकता के दावानल को थामने के लिए किए गए प्रयास हाशिए पर चले जाते हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव की सभाओं के दौरान नेताओं ने हिंदू-मुस्लिम एकता को बांटने में कसर बाकी नहीं रखी। सभी दल एक-दूसरे के खिलाफ जहर उगलने में पीछे नहीं रहे। इसके विपरीत राजनीतिक दल चाहते तो सांप्रदायिक एकता और देश में गंगा-यमुना संस्कृति की मिसाल पेश कर सकते थे किन्तु वोट बटोरने के लिए शायद ऐसी मिसाल कारगर साबित नहीं होती, इसलिए ऐसे उदाहरणों को दरकिनार कर दिया जाता है।

ऐसा ही एक उदाहरण उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के महारानी लक्ष्मी बाई मैडीकल कालेज में हुए अग्निकांड में सामने आया, किन्तु इसे किसी भी दल ने मुद्दा नहीं बनाया। मैडीकल कालेज की नवजात गहन चिकित्सा इकाई में आग लगने से करीब 10 नवजातों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब एक दर्जन नवजात गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस हादसे के दौरान अपनी दो नवजात बच्चियों का इलाज कराने आए मुस्लिम युवक याकूब मंसूरी ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपनी जान की परवाह किए बगैर कई नवजात बच्चों की जान बचाई, बगैर यह देखे हुए कि नवजात हिंदू हैं या मुसलमान। बच्चों की जान बचाने के दौरान उसी वार्ड में भर्ती याकूब की जुड़वां बेटियों की जान चली गई। अपनी बेटियों की कुर्बानी देकर दूसरे नवजातों की जान बचाने वाले याकूब का यह साहसिक कारनामा नेताओं के लिए चुनावी मुद्दा नहीं बन सका।

नेता चाहते तो देश में ऐसे उदाहरणों से मिसाल कायम कर सकते थे। ऐसे साहसिक और एकता बढ़ाने के प्रयासों से वोट बटोरने में नेताओं को संशय रहता है। यही वजह है कि ऐसे मुद्दे राजनीतिक दलों के एजैंडे से गायब रहते हैं, जिनसे देश में सांप्रदायिक सद्भाव और एकता में बढ़ौतरी होती हो। इसके विपरीत राजनीतिक दलों का प्रयास यही रहता है कि हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करके वोटों के लिए कैसे ध्रुवीकरण किया जाए। महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव में ऐसा ही ध्रुवीकरण करने के लिए राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत लगा दी। शिवसेना (बी.टी.) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम महाराष्ट्र को गद्दारों से मुक्त बनाना चाहते हैं।

महाराष्ट्र में दोबारा कोई गद्दार नहीं घूमना चाहिए। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने शिवसेना (बी.टी.) के मुखिया उद्धव ठाकरे पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि उन्होंने कुर्सी के लिए हिंदुत्व को छोड़ दिया है। बाला साहेब के नाम के पहले 'हिंदू हृदय सम्राट' की जगह 'जनाब बाला साहेब' लिखने लगे हैं। उन्होंने वोट जिहाद को लेकर कहा कि मुस्लिम मौलाना फतवा निकाल रहे हैं तो मैं भी फतवा निकालता हूं। हिंदू हमारे हाथ में महाराष्ट्र की सत्ता दें। सत्ता में आने के 48 घंटों में मस्जिदों से लाऊड स्पीकर उतार दूंगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला किया और कहा कि बाला साहेब होते तो उद्धव को कहते कि जंगल में जाकर वाइल्ड लाइफ की फोटो खींचो। शिंदे ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने बाला साहेब के विचारों को छोड़ दिया, शिवसेना का धनुष-बाण कांग्रेस के गले में बांध दिया। जिस कांग्रेस ने बाला साहेब को बदनाम किया, वह उनके साथ ही जा मिले।

सी.एम. शिंदे ने कहा कि बाला साहेब कहते थे कि मैं अपनी पार्टी को कभी कांग्रेस नहीं बनने दूंगा, लेकिन उद्धव जी खुद के स्वार्थ और सी.एम. की कुर्सी पाने के लिए कांग्रेस के साथ चले गए। उन्हें लगा कि हमारे बिना सरकार नहीं बनेगी। उद्धव जी ने भाजपा की पीठ में छुरा घोंपा है। राहुल गांधी द्वारा बाला साहेब की पुण्यतिथि पर दिए गए बयान पर शिंदे ने कहा, ''अच्छी बात है। अभी तक इन्होंने यह बोलने की कोशिश नहीं की थी। उनके दिल में क्या भावना थी शिवसेना के प्रति यह नहीं पता था।

लेकिन उनमें हिम्मत है तो बाला साहेब को हिंदू हृदय सम्राट बोलकर दिखाएं। ऐसा तो उद्धव जी भी नहीं बोलते।'' गौरतलब है कि अप्रैल, 2023 में एक प्रैस कांफ्रैंस में उद्धव ठाकरे ने कहा था कि जिस दिन बाबरी मस्जिद गिरी थी, मैं बाला साहेब के पास गया था। उन्होंने बताया कि बाबरी मस्जिद गिर चुकी है। इसके बाद संजय राऊत का फोन आया। बाला साहेब ने उनसे कहा था कि अगर बाबरी मस्जिद शिव सैनिकों ने गिरा दी है, तो उन्हें गर्व है। हालांकि, दूसरी तरफ अब उद्धव ठाकरे राज्य भर के मुस्लिम वोटरों से साथ आने की अपील करते नजर आ रहे हैं। उनकी बैठकों और दौरों में मुस्लिम समुदाय के मतदाताओं की भी अच्छी-खासी मौजूदगी रहती है।

दरअसल वोटों को धर्म के आधार पर विभाजित करने की कोशिश उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे से शुरू हुई। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि देश में एकता-अखंडता को मजबूत करने के लिए झांसी के अग्निकांड में अपनी दो बच्चियों की कुर्बानी और खुद की जान दाव पर लगा कर अन्य नवजातों की जान बचाने वाले याकूब मंसूरी का साहसिक कारनामा किसी भी दल के लिए चुनावी मुद्दा नहीं बन सका। देश के नेताओं की फितरत ऐसी बन चुकी है कि धुआं दिखते ही मशालें थामने लगते हैं। यह निश्चित है कि जब तक सत्ता पाने के लिए ऐसी संकीर्ण सोच बनी रहेगी तब तक देश की एकता की संस्कृति आदर्श उदाहरण नहीं बन सकेगी।-योगेन्द्र योगी

शतायु जिंदगी के संकल्प

जब देश में हर अट्ठारह नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया तो इसका मकसद दवा रहित प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। जो प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य भी है। वर्ष 2018 में इस दिन की घोषणा करके आयुष मंत्रालय ने इस विश्व प्रसिद्ध वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में प्राकृतिक संसाधनों और गतिविधियों के जरिये प्राकृतिक स्वास्थ्य को ठीक करने का राष्ट्रव्यापी संकल्प लिया। जिसका मकसद प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान व जागरूकता का प्रसार करना था। भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सतत् और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते। शरीर की कोशिकाएं हर क्षण बदलती रहती हैं। शरीर बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढालता चलता है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा भी कायाकल्प की प्रक्रिया को धीरे-धीरे अंजाम देती है। आमतौर पर माना जाता है कि प्राकृतिक दिनचर्या के दौरान उपचार में 45 दिन का समय लगता है।

सैटेलाइट इंटरनैट में विदेशी कम्पनियों पर भारत के कानून लागू हों

विराग गुप्ता

महाराष्ट्र की राजनीति और देश की अर्थव्यवस्था में उद्योगपति अदाणी के लीड रोल विवादों के बीच अंतर्राष्ट्रीय दबावों को नजरअंदाज करना भारत के लिए ठीक नहीं है। अमरीका में ट्रम्प के जीतने के बाद मस्क का जलवा और व्यापारिक साम्राज्य बिजली की रफ्तार से बढ़ रहा है। यह जानना दिलचस्प है कि फार्च्यून 100 शक्तिशाली वैश्विक लोगों की लिस्ट में मस्क पहले और अंबानी 12वें पायदान पर हैं। भारत की राजनीति में सबसे ज्यादा रसूख वाले अदाणी का नाम वैश्विक सौ लोगों की लिस्ट से गायब है। कोरोना और लॉकडाऊन में दुनिया के सबसे रईस बने मस्क अपनी बादशाहत बरकरार रखने के लिए इलैक्ट्रिक व्हीकल, क्रिप्टो और सैटेलाइट इंटरनैट के 3 सैक्टर्स में दबदबा बनाने चाहते हैं।

लोकसभा के आम चुनावों में सत्ता की तस्वीर साफ नहीं होने से मस्क ने भारत यात्रा रद्द कर दी थी लेकिन अब ट्रम्प की जीत के बाद सैटेलाइट इंटरनैट समेत दूसरे भारतीय बाजार में आधिपत्य के लिए मस्क नियमों को बुल्डोज करना चाहते हैं। सैटेलाइट इंटरनैट की सेवा देने के लिए किसी केबल या फाइबर की जरूरत नहीं पड़ती। मस्क की स्पेस-एक्स कम्पनी स्टारलिंक सैटेलाइट इंटरनैट के माध्यम से इंटरनैट की कमी वाले दूर-दराज के इलाकों में हाईस्पीड इंटरनैट की सेवा प्रदान करती है। इसके लिए पूरी दुनिया में लगभग 10,000 सैटेलाइट हैं जिनमें से 60 प्रतिशत मस्क की कम्पनी के हैं। दूरस्थ और ग्रामीण इलाकों के लिए बनाए जा रहे सैटेलाइट इंटरनैट का शहरी क्षेत्रों और सामरिक मकसद से ज्यादा इस्तेमाल होगा।

दुनिया के 3 दर्जन से ज्यादा देशों में कारोबार कर रहे मस्क को भारत में पिछले 3 सालों से लाइसैंस नहीं मिला। मस्क के अलावा अमेजन भी कुइपर के माध्यम से भारत में प्रवेश करना चाहती है, जिनका रिलायंस और एयरटेल विरोध कर रहे हैं। अंबानी के अनुसार उनकी जियो कम्पनी ने मासिक 15 अरब गीगा बाइट डाटा की खपत के लिए स्पैक्ट्रम की नीलामी में 23 अरब डॉलर खर्च किया है। मस्क की स्टारलिंक कम्पनी 18 अरब गीगा बाइट डाटा की खपत से टैलीकॉम नियमन के तंत्र को ध्वस्त कर सकती है।

सरकार के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ और ग्लोबल फ्रेमवर्क के अनुसार सैटेलाइट इंटरनैट के लिए प्रशासनिक आधार पर स्पैक्ट्रम आबंटित किया जाएगा। इसके लिए पिछले साल पारित टैलीकॉम कानून में विशेष प्रावधान किए गए थे। भारत में टैलीकॉम कम्पनियों ने नीलामी से स्पैक्ट्रम खरीदा है, जबकि मस्क की कम्पनी को प्रशासनिक आबंटन से स्पैक्ट्रम मिल सकेगा। टैलीकॉम बाजार में 80 फीसदी हिस्सेदारी वाले उद्योगपति अम्बानी और सुनील भारती मित्तल के अनुसार शहरी या रिटेल उपभोक्ताओं को सैटेलाइट से इंटरनैट की सेवा देने के लिए विदेशी कम्पनियों को भी नीलामी से स्पैक्ट्रम मिलना चाहिए। इससे सरकार की आमदनी बढने के साथ व्यापार में बराबरी का नियम लागू होगा। मुक्त अर्थव्यवस्था के दौर में मस्क के कारोबार को भारत में रोकना अम्बानी के लिए मुश्किल है।

जियो ने भी शुरूआत में मुफ्त के इंटरनैट का प्लान दिया था, जिसके पास अब 47 करोड़ से ज्यादा यूजर्स हैं। अमरीका में जब 120 डॉलर प्रति माह का शुल्क था, उस समय मस्क ने केन्या में मासिक 10 डॉलर में स्टारलिंक का ब्रॉडबैंड शुरू

किया था। उसी फॉर्मूले से मस्क अब भारत में दूरसंचार और डिजिटल के कारोबार में अग्रणी बनना चाहते हैं। सैटेलाइट इंटरनैट के लाइसैंस के लिए मस्क की स्टारलिंक ने 2022 और अमेजन की कुइपर ने 2023 में भारत में आवेदन किया था।लाइसैंस के लिए कम्पनियों को अनेक सुरक्षा मानकों का पालन करना होगा, जिनका पारदर्शी तरीके से खुलासा नहीं हुआ है। आलोचकों के अनुसार स्टारलिंक जियो पॉलिटिकल नियंत्रण का माध्यम हैं। सैटेलाइट उपग्रहों का जनता को इंटरनैट देने के साथ सामरिक सेवाओं के लिए भी इस्तेमाल होता है। मस्क ने पिछले साल दावा किया था कि उनकी स्पेस-एक्स कम्पनी ने रूस पर आक्रमण के लिए यूक्रेन के अनुरोध को ठुकरा दिया था। स्पेस-एक्स कम्पनी अमरीका की खुफिया एजैंसियों के लिए अनेक जासूसी उपग्रह बना रही है।

स्टारलिंक के मस्क और अमेजन के जैफ बेजोस दुनिया के दो सबसे रईस लोग अंतरिक्ष से इंटरनैट सेवा देना चाहते हैं, जिसमें कई सालों तक मुनाफे की गुंजाइश नहीं है। इसलिए ये कम्पनियां दुर्गम क्षेत्र में इंटरनैट की आड़ में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध लगा सकती हैं। मस्क की कम्पनी ने ब्राजील, ईरान और यूक्रेन जैसे देशों में नियमों का पालन नहीं किया। भारत में मस्क की कम्पनी को सैटेलाइट इंटरनैट के लिए लाइसैंस और प्रशासनिक आधार पर स्पैक्ट्रम के आबंटन से पहले स्वदेशी अर्थव्यवस्था के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा को सुरक्षित रखना जरूरी है। दूरसंचार के संवेदनशील क्षेत्र में चीनी कम्पनियों के उपकरणों पर भारत ने अनेक प्रतिबंध लगाए हैं, जिन्हें मस्क की कम्पनियों पर भी लागू होना चाहिए।

टैलीकॉम केंद्र के अधीन है, जबकि कानून व्यवस्था राज्यों का विषय है। सैटेलाइट इंटरनैट की दुनिया में इंटरनैट बंदी जैसे मामलों के लिए जिला प्रशासन के अधिकारों को स्पष्ट करने वाले नियम पहले से बनाने की जरूरत है। पिछले साल पारित टैलीकॉम कानून से जुड़े अनेक नियम अभी तक नहीं बने हैं। साल-2006 के बाद अमरीका की खुफिया एजैंसियों ने 'आप्रेशन प्रिज्म' के तहत इंटरनैट कम्पनियों से भारत समेत अनेक देशों का बहुमूल्य डाटा हासिल किया था लेकिन डाटा सुरक्षा कानून से जुड़े नियमों को अभी तक भारत में लागू नहीं किया गया है। टैलीकॉम से जुड़े नियमों के अनुसार स्टारड्क्षलक को भारत में डाटा सैंटर स्थापित करना होगा। आई.टी. रूल्स के तहत विदेशी कम्पनियों को भारत में शिकायत और नामांकित अधिकारियों की नियुक्ति करनी होगी। जनता की शिकायतों के निराकरण करने के साथ, सरकार को जरूरी जानकारी देने के लिए भारत में विदेशी कम्पनियों की कानूनी जवाबदेही तय करना जरूरी है।

सामुदायिक सहभागिता और व्यवहार परिवर्तन से सार्थक होगी विश्व शौचालय दिवस की परिकल्पना

192 हितग्राहियों को प्राप्त हुई व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय निर्माण की स्वीकृति

विश्व शौचालय दिवस पर 45 हितग्राहियों को प्राप्त हुई प्रोत्साहन राशि

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री विजय शर्मा ने समुदाय में स्वच्छता के प्रति व्यवहार परिवर्तन एवं जनप्रतिनिधियों से सहभागिता सुनिश्चित किए जाने हेतु अपील की, इसके साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत में अपशिष्ट संग्रहण एवं पृथक्करण घरेलू गंदे पानी के उचित प्रबंधन हेतु भी विचार साझा किया। स्वच्छता व्यक्तिगत व्यवहार परिवर्तन का अहम हिस्सा है जिससे समाज, गांव और प्रदेश की तस्वीर बदलेगी।

विदित हो कि प्रतिवर्ष 19 नवम्बर को विश्व शौचालय दिवस मनाया जाता है इसके विस्तार हेतु 19 नवम्बर से 10 दिसंबर तक अभियान के रूप में चलाया जाएगा। जिसमें 14 से 18 नवंबर तक अक्रियाशील शौचालय का चिन्हांकन कर 19 नवम्बर को विश्व शौचालय दिवस का शुभारंभ एवं 19 नवम्बर से 5 दिसंबर तक 3 आर मतलब रिपेयर, रिस्टोर, रिफाइन पर केंद्रित कर व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय का सौंदर्यीकरण एवं उपयोगिता सुनिश्चित करना। 5 दिसंबर से 9 दिसंबर तक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सामुदायिक जागरूकता और हितग्राहियों की सुरुचि से अभियान अंतर्गत हमारा शौचालय हमारा सम्मान थीम पर प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

चयनित लाभार्थी को स्वच्छ सुंदर आकर्षक शौचालय हेतु सम्मानित भी किया जाएगा: उपमुख्यमंत्री माननीय विजय शर्मा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जनप्रतिनिधियों एवं पंचायतों के अभियान में पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करते हुए बेहतर क्रियान्वयन की अपील की है। उन्होंने चयनित लाभार्थियों को स्वच्छता में सुंदर एवं आकर्षण शौचालय कार्य करने वालों को सम्मानित करने की बात कही।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष राजकुमारी बैगा, उपाध्यक्ष दुर्गाशंकर मिश्रा, जनपद सीईओ प्रीतेश सिंह राजपूत, वैशाली सिंह, बिनोदकुमार जायसवाल, जिला समन्वयक राजेश जैन, प्रभा पयासी, सुभाष परस्ते, नेहा सिंह के साथ सरपंच, सचिव सहित स्वच्छाग्रहियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पिपरिया में छात्र-छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर विश्व शौचालय दिवस पर महत्वपूर्ण भूमिका एवं समाज में व्यवहार परिवर्तन कर स्वच्छ परिवेश हेतु छात्र-छात्राओं ने सहभागिता के महत्व को बतलाया।

लड़की से बात करने पर छात्रों के बीच मारपीट

एमिटी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में चले डंडे-लाठी, कई स्टूडेंट्स घायल, कट्टा-चाकू लहराने का आरोप

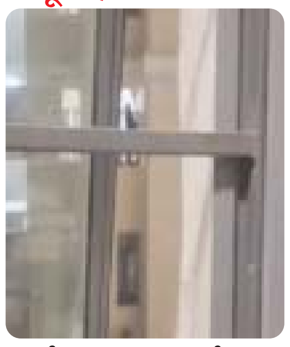

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। रायपुर के एमिटी यूनिवर्सिटी में एक लड़की से बात करने को लेकर हॉस्टल में छात्रों के दो गुटों में मारपीट हो गई। जिसमें कई लड़के घायल हो गए। घटना तीन दिन पुरानी बताई जा रही है। वहीं, तीन दिन से छात्र इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्रों के अनुसार, बीबीए फर्स्ट ईयर के छात्र हर्ष चंद्रसेन और फैजल खान के बीच क्लास में एक लड़की से बात करने को लेकर पुराना विवाद था। फैजल ने हर्ष को उस लड़की से बात करने से मना किया था यहीं से विवाद शुरू हुआ। मना करने के बाद भी हर्ष ने फैजल की बात नहीं मानी। जिसके बाद 15-16 नवंबर की रात फैजल अपने दो दोस्तों फहाद और श्रीजन अख्तर के साथ बॉयज हॉस्टल में हर्ष के कमरे में पहुंचा, वहां विवाद हुआ। दोनों के बीच विवाद बढ़ता देख बाकी छात्रों ने हर्ष को उसके कमरे में बंद कर दिया।

कमरे में मिले कांच के टुकड़े: छात्रों ने मारपीट के बाद एक वीडियो बनाया है। जिसमें खिड़की से कांच के टुकड़े पूरे कमरे में बिखरे पड़े हैं। हर्ष नाम के एक छात्र के सिर पर भी चोट आई है। उस पर कमरे में बाकी सामान तोड़फोड़ करने का आरोप है।

लाठी-डंडे के साथ कट्टा लहराने का आरोप: हॉस्टल के छात्रों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि, विवाद वाली रात हॉस्टल में आए लड़के लाठी-डंडे के साथ देसी कट्टा भी लेकर आए थे। चाकू लहराने के साथ ही दूसरे पक्ष के छात्र ने कट्टा लहराया। हमने कॉलेज प्रबंधन से इसकी शिकायत की है।

फोन पर जान से मरने की धमकी: इस विवाद के बाद हर्ष को फोन कर जान से मरने की धमकी दी जा रही है। फ़ोन पर एक शख्स कहता हुआ नजर आ रहा है कि जल्द से जल्द कोम्प्रो कर लो, वरना जिंदा गाड दूंगा।

यूनिवर्सिटी ने बनाई कमेटी: विवि रजिस्ट्रार डॉ सुरेश ध्यानी ने बताया कि, इस घटना की शिकायत मिली थी। इसको लेकर 4 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। मुझे फिलहाल पूरी घटना की जानकारी नहीं है, जो दोषी हैं उन पर कार्रवाई की जाएगी।

आरोपियों को कॉलेज का समर्थन- एनएसयूआई: इस मामले में एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष प्रशांत गोस्वामी ने एमिटी यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार को आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि दोषी पक्ष एमिटी यूनिवर्सिटी के डिप्टी डायरेक्टर बिमलेश सिंह चौहान का बेहद करीबी है। डिप्टी डायरेक्टर से करीबी होने के कारण छात्रों की लगातार शिकायत के बाद भी अब तक न तो दोषी पक्ष को निलंबित किया गया न ही कार्रवाई की गई। जो छात्रों पर उनके कमरों में घुसकर चाकू, रॉड और बंदूक से हमला कर रहे थे।

स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर का होगा उन्नयन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री एवं मनेंद्रगढ़ के स्थानीय विधायक राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। नव गठित जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में भी स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए स्वास्थ्य मंत्री लगातार प्रयासरत हैं। इसी कड़ी में स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 50 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर के उन्नयन कार्य के लिए 12 करोड़ रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस संबंध में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने सीजीएमएससी लिमिटेड को पत्र लिखकर अवगत भी करा दिया है। 50 बिस्तर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जनकपुर के उन्नयन से क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा मिलेगा। यहां के लोगों को अब इलाज के लिए जिला मुख्यालय या संभाग मुख्यालय आने की आवश्यकता नहीं होगी और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही उच्च स्तर की स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। जनकपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरीय अस्पताल में उन्नयन करने पर क्षेत्र के लोगों ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का आभार प्रकट किया है।

चिरमिरी की जनता का सहारा इंडिया में जमा पैसा वापस हो

मीडिया ऑडीटर, कोरबा निप्र। लोकसभा ज्योत्सना चरण दास महंत जी से मुलाक़ात कर चिरमिरी की समस्याओं के निराकरण के संबंध में पार्षद शिवांश जैन ने 5 सूत्रीय मांगो के लिए ज्ञापन सौपा एवं संसद में इन मुद्दों को उठाने की मांग की।

चिरमिरी क्षेत्र की जनता का सहारा इंडिया मे जमा पैसा सरकार द्वारा वापस किया जाए।

चिरमिरी बिलासपुर ट्रेन को दुर्ग तक चलाया जाए।

एसईसीएल द्वारा कोयला उत्खनन कर ली गई भूमि को राज्य शासन को वापस किया जाए और काबिज लोगों को पट्टा दिया जाए।

नवीन जिला एमसीबी का जिला अस्पताल और 10 कार्यालय चिरमिरी मे जल्द खोला जाए।

चिरमिरी को विशेष पैकज के साथ पर्यटन स्थल का दर्जा दिया जाए।

उपरोक्त मांगों को काफी गंभीरता से लेते हुए सांसद ज्योत्सना चरण दास महंत जी आश्वासन दिया कि संसद से सड़क तक की क्षेत्र विकास की इस लड़ाई में वह हमारे साथ हैं और इसके निराकरण के लिए हर संभव प्रयास उनके द्वारा किया जाएगा।

सुसाइड से पहले डॉक्टर ने बॉयफ्रेंड को किया आखिरी मैसेज

बोली-तुम्हारे लायक नहीं हूं, धोखा दे रही हूं..फिर बिलासपुर के हॉस्टल में लगाई फांसी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर के छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान के गर्ल्स हॉस्टल में इंटर्न डॉक्टर के सुसाइड मामले में जांच जारी है। डॉक्टर ने सुसाइड करने से पहले अपने प्रेमी को आखिरी मैसेज किया था। डॉक्टर ने फांसी लगाने के पहले अपने दोस्तों को मैसेज भी किया, जिसमें लिखा कि मैं सभी को धोखा दे रही हूं। साथ ही अपने प्रेमी डॉक्टर को मैसेज कर लिखा कि मैं तुम्हारे लायक नहीं हूं, धोखा दे रही हूं। इस मैसेज के बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस डॉक्टर के मोबाइल को जब्त कर मामले की जांच कर रही है।

सिम्स गर्ल्स हॉस्टल सहेलियों से मिलने आई थी: दरअसल, सिम्स के गर्ल्स हास्टल में फांसी लगाने वाली डॉ भानुप्रिया सिंह अंबिकापुर से बिलासपुर आई थी। यहां से वो सहेली की शादी में शामिल होने आई थी। रविवार को वह सिम्स के गर्ल्स हॉस्टल में अपनी सहेलियों से मिलने पहुंची थी। हॉस्टल जाने की जानकारी भानुप्रिया ने अपने परिजनों को भी थी। साथ ही उसने बिलासपुर में अपने कमर दर्द का इलाज कराने की बात भी कही थी। इसके बाद ही वह बिलासपुर से सहेली की शादी में सारंगढ़ जाने वाली थी।

दो दिन से सिम्स के गर्ल्स हॉस्टल में थी डॉक्टर: बताया जा रहा है कि डॉक्टर भानुप्रिया बीते 14 नवंबर को बिलासपुर आ गई थी। इस दौरान उन्होंने सिम्स के स्ल्ब्ल में ओपीडी पर्ची कटाकर आर्थोपेडिक डिपार्टमेंट और मनोरोग वार्ड में जांच भी कराई। यहां दो दिन रहने के बाद 17 नवंबर की दोपहर उसने गर्ल्स हॉस्टल में फांसी लगा ली।

सुसाइड करने से पहले प्रेमी और दोस्तों को किया मैसेज: पुलिस के अनुसार डॉ भानुप्रिया का पेंड्रा निवासी डॉ नीरज कंवर से प्रेम संबंध था, जो वर्तमान में दिल्ली मेडिकल कॉलेज में पदस्थ है। सुसाइड करने से पहले डॉक्टर भानुप्रिया ने नीरज को मोबाइल पर मैसेज किया। इसमें लिखा कि मैं तुम्हारे लायक नहीं हूं। मुझे माफ करना। यह मैसेज देखने के बाद डॉ नीरज ने तत्काल डॉ भानुप्रिया को फोन लगाया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद डॉ अंकित ने उसे फोन कर बताया कि भानुप्रिया ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था से बढ़ रहे हादसे

हाईकोर्ट बोला-प्रदेश का दौरा कर कोर्ट कमिश्नर करें पड़ताल, 28 दिन में रिपोर्ट सौंपने दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर जांच के लिए कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है। साथ ही उन्हें प्रदेश के ट्रैफिक सिस्टम की जांच कर रिपोर्ट पेश सौंपने के निर्देश दिए हैं।

इसके लिए डिवीजन बेंच ने कोर्ट कमिश्नर को 28 दिन का समय दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 17 दिसंबर को होगी। इससे पहले हाईकोर्ट ने राज्य शासन की ओर से प्रस्तुत जवाब और रिपोर्ट को देखकर गहरी नाराजगी जताई थी।

आवारा मवेशियों की सुरक्षित जगह पर शिफ्टिंग के अलावा यातायात व्यवस्था की पड़ताल करने और रिपोर्ट पेश करने के लिए अधिवक्ता प्रांजल अग्रवाल और रविंद्र शर्मा को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त किया है।

खराब ट्रैफिक सिस्टम की वजह से हादसे: दरअसल, छत्तीसगढ़ की खराब ट्रैफिक सिस्टम की वजह से लगातार सड़क हादसे हो रहे हैं। करीब साल भर पहले बिलासपुर के नेहरू चौक में ट्रैफिक सिग्नल के कारण एंबुलेंस पलट गई थी, जिसके बाद हाईकोर्ट ने इसे जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है।

हाईकोर्ट ने सड़क पर आवारा मवेशियों के जमा होने से लेकर भारी वाहनों की चपेट में आकर मरने के साथ ही लोगों को हो रहे जानमाल के नुकसान का भी जिक्र किया गया था।

मवेशियों को हटाने शासन-प्रशासन ने नहीं की कार्रवाई: बीते सुनवाई के दौरान कोर्ट कमिश्नरों ने डिवीजन बेंच को बताया था कि बिलासपुर और आसपास कई प्रमुख मार्गों पर निरीक्षण के बाद यह जानकारी मिली कि सड़कों से मवेशियों को हटाने की कोई योजना ही नहीं है। सुबह जिन मवेशियों को हटाया जाता है, फिर शाम को वहीं पर वापस आ जाते हैं।

जब तक नगर निगम, नगर पंचायत , पंचायत जैसे स्थानीय प्रशासन समुचित उपाय नहीं करेंगे इसका हल नहीं निकलेगा।

अस्पतालों में पार्किंग ही नहीं, यह भी है दुर्घटना की बड़ी वजह: कोर्ट कमिश्नर ने रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया था कि शहर के भीतर संचालित हो रहे निजी अस्पतालों में पार्किंग ही नहीं है। अस्पताल आने वाले मरीज, परिजन व जान पहचान वाले वाहनों को सड़क किनारे पार्क कर दे रहे हैं। सड़कों के किनारे वाहनों को अव्यवस्थित रखने के कारण भी हादसे बढ़ रहे हैं।

स्थानीय प्रशासन की विफलताएं भी गिनाई: रिपोर्ट में फुटपाथ पर अवैध कब्जा करने के साथ ही सड़क किनारे बेतरतीब खड़े वाहनों के चलते सड़क दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी को कारण बताया है। इसके लिए स्थानीय प्रशासन की विफलता को भी बड़ा कारण बताया गया है।

सूने मकान से जेवर और कैश की चोरी

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। दुर्ग जिले के उतई पुलिस ने एक ऐसे आदतन चोर को गिरफ्तार किया है, जो नाबालिग लड़के को साथ लेकर सूने मकानों में चोरी करता था। पुलिस ने उसके साथ नाबालिग लड़के को भी पकड़ा है। आरोपियों के पास से चांदी के जेवर समेत अन्य माल भी जब्त किया गया है।

शहर एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि उमरपोटी निवासी नरेन्द्र कुमार भारती ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 1 अक्टूबर 2023 को वो घर में ताला लगाकर अपनी पत्नी के साथ अपनी बेटी के पास बिलासपुर गया था। वहां से वो दोनों 16 अक्टूबर 2023 को घर वापस आए।

घर वापस आकर उन्होंने देखा कि बाहर का ताला टूटा हुआ है। अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा है। उन्होंने चोरी की शंका होने पर घर को चेक किया तो पता चला कि घर से सोने चांदी के आभूषण और 4 हजार रुपए कैश नहीं है। इसके बाद उन्होंने पुलिस थाने जाकर मामला दर्ज कराया।

शराब के नशे में विवाद..जशपुर में डबल मर्डर

पति ने पत्नी को डंडे से पीट-पीटकर मारा, बीच-बचाव करने आई सास पर भी हमला

मीडिया ऑडीटर, जशपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में डबल मर्डर का केस सामने आया है। मामला कोतबा चौकी क्षेत्र का है। जहां खजरीढ़ाप गांव में रहने वाले खीरसागर यादव ने अपनी पत्नी रोशनी बाई (30 साल) और सास जगरमणी (60 साल) की घरेलू विवाद के बाद हत्या कर दी। पत्थलगांव एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने बताया कि खीरसागर यादव, उसकी पत्नी रोशनी बाई और सास जगरमणी यादव साथ रहते थे। खीरसागर को शराब पीने की लत थी। सोमवार रात वो शराब के नशे में घर पहुंचा था।

खून से भीगी पड़ी थी जमीन: शराब पीने को लेकर ही उसका पत्नी रोशनी से विवाद शुरू हो गया। विवाद बढ़ने पर खीरसागर ने रोशनी पर हाथ उठाया। ये देखकर बीच बचाव करने रोशनी की मां जगरमणी आई। खीरसागर ने उन्हें भी धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया।

इसके बाद उसने घर पर रखा डंडा उठाया और जमीन पर गिरी अपनी सास के सिर पर दे मारा। इस जोरदार हमले में जगरमणी ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसके बाद खीरसागर ने अपनी पत्नी की भी डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

लोगों ने देखी आंगन में खून से सनी 2 लाशें: हत्या के बाद खीरसागर मौके से फरार हो गया। गांव वालों ने पूरे मामले में की सूचना पुलिस को दी। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो घर के आंगन की जमीन दोनों महिलाओं के खून से भीगी पड़ी थी। पुलिस ने इसके बाद फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस: पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। वहीं फरार आरोपी की तलाश के लिए सायबर सेल की मदद भी ले रही है, लेकिन अब तक खीरसागर का कोई पता नहीं चल पाया है।

महिला थाने में मारपीट...लव-मैरिज पर बवाल

लड़की पक्ष ने लड़के के पिता का फोड़ा सिर, बीएसपी अधिकारी की बेटी ने ड्राइवर से की है शादी

मीडिया ऑडीटर, भिलाई एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के भिलाई नगर थाना सेक्टर 6 स्थित महिला थाने में सोमवार रात लव मैरिज को लेकर जमकर बवाल हुआ। लड़की पक्ष और लड़के पक्ष में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान युवती के ससुर का सिर फूट गया। थाने में बवाल का वीडियो भी सामने आया है।

बीएसपी अधिकारी स्वतंत्र ताम्रकार की बेटी शैवी ताम्रकार ने 6 नवंबर को रायपुर निवासी आशुतोष देशपांडेय से लव मैरिज कर ली। बताया जा रहा है कि शैवी जिस स्कूल में पढ़ाती थी, उसी स्कूल में आशुतोष ड्राइवर है।

कैसे आई मारपीट की नौबत: दरअसल, शैवी ताम्रकार जब घर से भागी तो घरवालों ने भिलाई थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस लड़की की तलाश कर ही रही थी कि इसी दौरान लड़की और लड़का नेवई थाने पहुंचे। जहां उन्होंने दोनों के बालिग होने और दोनों की मर्जी से रायपुर के आर्य समाज मंदिर में शादी करने की बात कही।

थाना प्रभारी आनंद शुक्ला ने दोनों के बयान लेने के बाद जाने दिया, लेकिन लड़की के पिता ने मामले की शिकायत थाने में की थी, इसलिए दोनों लड़का लड़की को महिला थाने बयान के लिए बुलाया गया था। लड़की अपने पति, ससुर और रायपुर की दो महिला अधिवक्ता के साथ बयान दर्ज कराने पहुंची थी।

महिला थाने में दोनों पक्षों के बीच बहस और मारपीट: इसी दौरान भिलाई सेक्टर 6 स्थित महिला थाने में लड़की के माता-पिता, मामा और अन्य लोग आ गए। महिला थाने में दोनों पक्षों के बीच बहस होने लगी। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। बहस और हुज्जतबाजी का वीडियो भी सामने आया है। इस दौरान पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

लड़की बोली- बहू और ससुर को भी पीटा: नवविवाहिता शैवी का आरोप है कि वो अपने ससुर और पति के साथ बयान दर्ज करा ही रही थी। इसी दौरान उसके मामा, पापा और मां आए। गला पकड़कर उसे मारने लगे। उन लोगों ने उसके ससुर को भी पीटा, जिससे उनका सिर फट गया और खून बहने लगा।

मानक शिक्षा केंद्र दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के तीसरे वार्षिकोत्सव का शानदार आयोजन

मीडिया ऑडीटर, मनेन्द्रगढ़ निप्र। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष अतिथि चंद्रमोहन सिंह, पुलिस अधीक्षक जिला एमसीबी, मनेंद्रगढ़ की नगर पालिका अध्यक्षा प्रभा पटेल, विद्यालय के अध्यक्ष रमेश चंद्र सिंह निदेशक व्यंकटेश सिंह, निदेशिका पूनम सिंह एवं प्राचार्य डॉक्टर बसंत कुमार तिवारी की उपस्थिति में गणेश एवं माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई, इसके साथ ही कक्षा तीसरी के छात्र-छात्राओं ने गणेश वंदना प्रस्तुत किया, तत्पश्चात प्री प्राइमरी कक्षाओं के नन्हे मुन्ने बच्चों ने रंग-बिरंगी वेशभूषा में अपने नृत्य की प्रस्तुति दी, इसी श्रृंखला में आगे बढ़ते हुए कार्यक्रम के विशेष अतिथि चंद्र मोहन सिंह ने विद्यालय को दिए गए अपने संदेश में कहा कि आज इस विद्यालय के वार्षिक उत्सव में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होना मेरे लिए अत्यंत गर्व और खुशी का क्षण है यह अवसर न केवल स्कूल की उपलब्धियां मनाने का है बल्कि उस मूल्य और परिश्रम को पहचानने का है जो संस्था को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य और समस्त शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय ने जिले के छात्र छात्राओं को एक मजबूत आधार अपने उच्च कोटि के प्रदर्शन से प्रदान किया है। यह आपकी मेहनत और मार्गदर्शन का परिणाम है कि हर विद्यार्थी हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं उन्होंने बताया की यह दूसरा अवसर है जब वह विद्यालय के किसी अवसर पर शामिल हुए हैं। सिंह ने अपने संदेश में विद्यार्थियों से कहा कि आप इस विद्यालय की असली पूंजी है आपकी प्रतिभा ऊर्जा और निष्ठा से ही विद्यालय गौरवान्वित होता है। शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कार भी आपके जीवन को संवारते हैं, आपकी प्रतिभा, ऊर्जा और निष्ठा से भी यह विद्यालय गौरवान्वित होता है। इसी क्रम में आगे सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों ने नृत्य, एकांकी, गीत एवं मधुर संगीत धुन के साथ ताल में ताल मिलाते हुए संगीत वाद्य यंत्र बजाते हुए सुमधुर प्रस्तुति दी जो रंगों और जीवंतता से भरा हुआ था, सभी कार्यक्रम के मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शनों और दिल को छू लेने वाले पलों से मंच सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जीवंत रंग रूप से सराबोर हों उठा जिसमें भारत की विरासत और

उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप और हमारे जीवन मूल्य विषय पर चर्चा और विचार-विमर्श सम-सामयिक दृष्टि से महत्वपूर्ण

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत का अतीत गौरवशाली रहा है और भारत प्राचीनकाल से ही वैश्विक स्तर पर उच्च शिक्षा का मुख्य केन्द्र रहा। कई देशों के विद्यार्थियों, राजकुमारों ने तक्षशिला, नालंदा जैसे भारत के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण की। लेकिन ऐतिहासिक रूप से हमें ऐसा कोई उल्लेख प्राप्त नहीं होता, जिसमें भारत में शिक्षा ग्रहण किए किसी व्यक्ति अथवा सत्ताधीश ने अन्य राज्य पर आक्रमण किया हो। यह तथ्य प्राचीन काल से चली आ रही हमारी शिक्षा व्यवस्था के सुदृढ़ जीवन मूल्यों और नैतिक मूल्यों को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को होटल ताज में एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक के 17वें सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतीत से वर्तमान की कई घटनाएं जीवन मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण की भिन्नता के कारण हुई मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उच्च शिक्षा का बदलता स्वरूप

और हमारे जीवन मूल्य विषय पर आयोजित यह सम्मेलन सम-सामयिक महत्व का है। अतीत से लेकर वर्तमान तक की कई घटनाएं जीवन मूल्यों के प्रति दृष्टिकोण की भिन्नता के परिणाम स्वरूप ही घटित हुई।

रामायण काल में रावण हो या महाभारत काल में कौरव, योग्यता और क्षमता में कोई भी कम नहीं था, लेकिन उनके जीवन मूल्य और नैतिक मूल्य उचित नहीं थे, इसी कारण उन्हें कभी सम्मान नहीं मिला और वे समाज में तथा इतिहास में सदैव नकारे गए। कर्ण की योग्यता अद्भुत थी, लेकिन उनकी दृष्टि, प्रतिशोध, जिद और नकारात्मक भाव ने उन्हें पतन की ओर अग्रसर किया। इसी प्रकार के उदाहरण हमें सोने की लंका बनाने वाले रावण के भी प्राप्त होते हैं। सभी प्रकार के वैभव और सामर्थ्य होने के बाद भी वे कभी स्वीकारे नहीं गए और नैतिक मूल्यों के आधार पर ही वनवासी श्रीराम ने उन्हें परास्त किया। अर्थात् यह नैतिक मूल्यों और जीवन मूल्यों की ही विजय थी।

भाजपा महासचिव पर पैसे बांटने का आरोप, एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से एक दिन पहले भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर पैसे बांटने का आरोप लगा है। विवाद तब शुरू हुआ जब बीवीए अध्यक्ष हितेंद्र ठाकुर और उनके बेटे क्षितिज मंगलवार 19 नवंबर विरार के होटल पहुंचे। यहां तावड़े नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मीटिंग कर रहे थे। बहुजन विकास अघाड़ी ने आरोप लगाया कि तावड़े 5 करोड़ रुपए लेकर होटल पहुंचे थे और यहां वोटर्स को पैसे बांटे जा रहे थे। होटल में भाजपा और बीवीए कार्यकर्ताओं के बीच जमकर झड़प हुई। होटल में हुए हंगामे के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में कुछ लोग हाथों में नोट लिए दिखाई दे रहे हैं। एक युवक डायरी लिए हुए है। आरोप है कि इसी डायरी में पैसों का लेखा-जोखा है। विपक्ष के आरोप के बाद चुनाव आयोग ने विनोद तावड़े और नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक चुनाव आयोग के अफसरों ने तावड़े के कमरे से 9 लाख रुपए और कागजात बरामद किए। इसका वीडियो सामने आया है। हालांकि चुनाव आयोग ने सिर्फ इतना कहा है कि कुछ सीज किया गया है।

समेत 7 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ श्रीनगर (एजेंसी)। देश में ठंड और कोहरे का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और बिहार में एक-दो दिन घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में ठंड का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। सीकर के फतेहपुर में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। भरतपुर में कोहरे के कारण विजिबिलिटी 50 मीटर से कम रह गई। हालांकि देश में सबसे कम विजिबिलिटी (जीरो मीटर) आगरा में दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां आने वाले कुछ दिनों में कोहरा बना रहेगा। उधर, मध्य प्रदेश में भी भोपाल, ग्वालियर, भिंड, मुरैना और दतिया में घना कोहरा देखने को मिला। इससे विजिबिलिटी काफी कम हो गई। मौसम विभाग ने कहा है कि पहाड़ों में बर्फबारी के कारण एमपी में ठंड बढ़ी है। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में बर्फबारी का दौर लगातार जारी है। सोनमर्ग में सोमवार शाम से शुरू हुई बर्फबारी मंगलवार सुबह भी जारी रही। इस कारण पूरे उत्तर भारत में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तमिलनाडु के कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है। राज्य कई जिलों में आज भी भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने बताया कि वेदारण्यम में सबसे ज्यादा 17.5 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई। उसके बाद कोडियाकराई में 13.4 सेमी बारिश हुई। तिरुवरूर में भी भारी बारिश हुई। थिरुथुराईपोंडी में सिर्फ दो घंटों में 7 सेमी बारिश दर्ज की गई। तंजावुर में पट्टुकोट्टई क्लॉक टॉवर और बस स्टेशन सहित कई जगहों पर पानी भर गया।

दिल्ली में एक्यूआई -500 तक पहुंचा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रदूषण बेहद खतरनाक लेवल पर बना हुआ है। मंगलवार सुबह 7 बजे दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 से ऊपर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली का औसत एक्यूआई 494 रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन में सर्वाधिक है। यानी राजधानी में आज सीजन की सबसे खराब हवा रही। दिल्ली-एनसीआर के 10वीं तक के स्कूल पहले ही ऑनलाइन कर दिए गए थे। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद 11वीं-12वीं की क्लासेस भी ऑनलाइन चलाने का आदेश दे दिया गया। वहीं, डीयू, जेएनयू और जामिया के कॉलेजों की क्लासेस 4 दिन तक वर्चुअल मोड पर चलेंगी। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट ने 18 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में बदला हुआ ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान का चौथा फेज लागू कर दिया है।

प्रिंसिपल ने 18 छात्राओं के बाल काटे, सस्पेंड

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के एक सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल ने देरी से आने पर 18 छात्राओं के बाल काट दिए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रिंसिपल ने नाराज होकर सजा के तौर पर बाल काट दिए। धूप में खड़ा करके पिटाई की। मामला सामने आने के बाद कलेक्टर ने आरोपी प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया है। आगे की जांच की जा रही है। जांच में आरोप सही पाए गए समग्र शिक्षा के राज्य परियोजना निदेशक बी. श्रीनिवास राव ने बताया कि यह घटना अल्लूरी सीतारामराजू जिले के जी मदुगुला में आवासीय स्कूल कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में 15 नवंबर को हुई थी, लेकिन सोमवार को सामने आई। इसके बाद डिपार्टमेंट ने आरोपी प्रिंसिपल यू साई प्रसन्ना के खिलाफ जांच की थी। उन पर लगे आरोप को सही पाया गया, जिसके बाद देर रात कलेक्टर ने निलंबन आदेश जारी कर दिए। मुजफ्फरपुर के बीबीगंज स्थित द्रोण पब्लिक स्कूल के शिक्षक ने अक्टूबर में छात्र की पिटाई की। जिसके बाद छात्र बेहोश हो गया। शिक्षक की पिटाई से छात्र के बाएं कान पर गहरा जख्म हुआ है। उसकी सुनने की क्षमता खत्म हो गई है।

इस मामले को लेकर छात्र के पता शिवरत्न कुमार ने सदर थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज करवाया है। हैरान करने वाली बात तो यह सामने आई है कि छात्र के बेहोश हो जाने के बाद भी स्कूल की तरफ से पेरेंट्स को सूचना नहीं मिली। मामले को लेकर पेरेंट्स ने पुलिस से शिकायत की। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

मणिपुर में मारे गए कुकी उग्रवादियों के समर्थन में प्रदर्शन

नई दिल्ली/इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 11 नवंबर को सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी उग्रवादियों के लिए न्याय की मांग करते हुए कुकी समुदाय लगातार प्रदर्शन कर रहा है। मंगलवार को भी जिरिबाम और चुराचांदपुर जिले में सैकड़ों लोगों ने 10 खाली ताबूत लेकर मार्च निकाला। मणिपुर पुलिस के अनुसार, पिछले हफ्ते जिरिबाम के बोरोबेकरा पुलिस स्टेशन और पास के जकुराधोर में सीआरपीएफ कैंप पर वर्दीधारी उग्रवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की थी। इसके बाद सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दस संदिग्ध उग्रवादी मारे गए। हालांकि कुकी समुदाय का कहना है कि वे लोग विलेज वॉलंटियर्स थे। यह रैली ज्वाइंट फिलैंथ्रोपिक ऑर्गनाइजेशन ने आयोजित की थी। सुबह करीब 11 बजे शुरू हुई इस रैली में सैकड़ों लोग हाथों में पोस्टर लिए शामिल हुए। इन पोस्टर्स पर मारे गए लोगों के लिए न्याय और पहाड़ी क्षेत्रों में अलग प्रशासन की मांग की गई थी। इस बीच कांग्रेस ने कहा है कि पीएम मोदी को मणिपुर जाना चाहिए। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने कहा कि पीएम मोदी को राजनीतिक कौशल दिखाना चाहिए। वे जिद छोड़कर मणिपुर

जाएं, लोगों से विनम्रता से बात करें और उनकी शिकायतों और आकांक्षाओं को समझें। मणिपुर सरकार का प्रस्ताव पास- कुकी उग्रवादियों पर कार्रवाई हो सोमवार को सत्ताधारी एनडीए और नेशनल पीपुल्स पार्टी के 27 विधायकों की मीटिंग हुई। इसमें प्रस्ताव (रेजोल्यूशन) पास हुआ कि 7 दिन में कुकी उग्रवादियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाए। यह भी कहा कि जिरीबाम में 6 महिलाओं-बच्चों की मौत के लिए कुकी आतंकी ही जिम्मेदार हैं।

फिर शुरू होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा, भारत से मिलेगी सीधी उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सामान्य स्थिति की बहाली के बाद दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें और अगले वर्ष से कैलाश मानसरोवर यात्रा शुरू करने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य तथा विदेश मंत्री वांग यी के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के मौके पर ब्राजील के रियो डि जेनेरियो शहर में मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

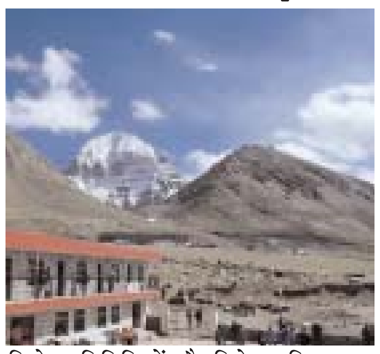

विदेश मंत्रालय के अनुसार,''दोनों मंत्रियों ने माना कि हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी ने शांति और स्थिरता बनाए रखने में योगदान दिया है। चर्चा भारत-चीन संबंधों में अगले कदमों पर केंद्रित रही। इस बात पर सहमति हुई कि विशेष प्रतिनिधियों और विदेश सचिव-उप मंत्री तंत्र की एक बैठक जल्द ही होगी। दोनों पक्षों के बीच जिन कदमों को उठाने के बारे में चर्चा हुई उनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा तीर्थयात्रा को फिर से शुरू करना, सीमा पार नदियों पर डेटा साझा करना, भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानें और मीडिया आदान-प्रदान शामिल थे।

शाह बोले- भाजपा सरकार में देश में हिंसा घटी

गांधीनगर (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि भाजपा सरकार पिछले 10 सालों में जम्मू-कश्मीर, नॉर्थ-ईस्ट और नक्सल इलाकों में 70 % तक हिंसा कम करने में सफल रही है। कई सालों से इन तीनों इलाकों को बहुत अशांत माना जाता था, लेकिन पिछले 10 सालों की तुलना करने पर पता चलता है कि हमने उल्लेखनीय सुधार किया है। वे गुजरात के गांधीनगर में 50वें अखिल भारतीय पुलिस विज्ञान सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे।

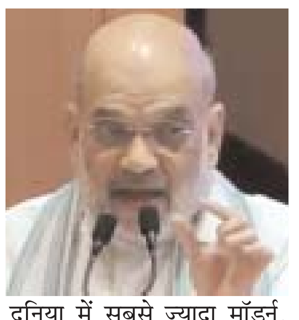

उन्होंने कहा कि सरकार ने इंटर्नल सिक्योरिटी और क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में बड़े बदलाव किए हैं। ये कड़ी मेहनत और बेहतर कॉर्डिनेशन मांगते हैं। आने वाले 10 साल भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को दुनिया में सबसे ज्यादा मॉडर्न, साइंटिफिक और तेज बनाने का समय है। 3 नए कानून तीन नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद FIR दर्ज होने की तारीख से तीन साल के भीतर लोगों को सुप्रीम कोर्ट स्तर से न्याय मिल सकेगा। नए कानूनों में टेक्नोलॉजी के सभी सिस्टम शामिल किए गए हैं। सुनिश्चित किया गया है कि टेक्नोलॉजी चाहे जितनी भी बदल जाए कानून में बदलाव करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

न्याय व्यवस्था- गृह मंत्रालय ने तीनों कानून लागू करने से पहले व्यापक तैयारी की थी। हमने कोर्ट, प्रॉसिक्यूशन (वादी पक्ष), पुलिस और जेल को जोड़ने की व्यवस्था की। एक तरह से अपराध से लेकर न्याय मिलने और जेल तक सभी कड़ियों को जोड़ने का काम किया।

इसके बाद मोदी सरकार ने कानून लागू किए। सरकार ने सुनिश्चित किया कि नागरिक सुरक्षा इनके केंद्र में रहे और लोग संवैधानिक अधिकारों का फायदा उठा सकें। हमने 60 अलग-अलग प्रावधानों में कोर्ट, प्रॉसिक्यूशन और पुलिस को टाइमलाइन के भीतर काम पूरा करने के लिए बाध्य करके न्याय व्यवस्था में गति लाने की कोशिश की है।

सरकार का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में होंगे कार्यक्रम, शुरू की तैयारियां

बारां (एजेंसी)। राज्य सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 12 से 15 दिसम्बर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। इस संबंध में जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने अधिकारियों से विभिन्न विभागों के विकास कार्यों पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। जिला कलेक्टर ने मिनी सचिवालय सभागार में वर्तमान सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 12 दिसम्बर को युवा सम्मेलन एवं रोजगार उत्सव का आयोजन होगा। इसके साथ ही जिला स्तरीय प्रदर्शनी का शुभारंभ, प्रेस वार्ता एवं जिला दर्शन पुस्तिका का विमोचन, एक जिला एक खेल, एक जिला एक प्रजाति, एक जिला एक फल, एक जिला एक डेस्टिनेशन का शुभारंभ, नवीन युवा नीति, खेल नीति, कौशल नीति का भी शुभारंभ किया जाएगा। इस संबंध में सीएमएचओ, जिला खेल अधिकारी, जिला रोजगार अधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों को तैयारी करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने बताया कि 13 दिसम्बर को किसान सम्मेलन का आयोजन होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की द्वितीय किश्त जारी करने, किसानों को फव्वारा संयंत्रों मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, पशुपालकों के लिए 5 रुपए प्रति लीटर अनुदान डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण, डेयरी बूथ का आवंटन सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रम शुरू होंगे।

हरियाणा विधानसभा में हुड्डा-ढांडा भिड़े

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा का 4 दिवसीय सत्र मंगलवार (19 नवंबर) को समाप्त हो गया। सत्र के आखिरी दिन की कार्यवाही की शुरुआत में कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा ने चंडीगढ़ में नई विधानसभा का मुद्दा उठाया। उन्होंने पंजाब की आपत्तियों को गलत ठहराया। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ पर हरियाणा का भी हक है।

इस पर स्पीकर हरविंदर कल्याण ने अरोड़ा को टोका। उन्होंने कहा कि यह 2 राज्यों का मामला है। इस पर सदन में चर्चा नहीं होनी चाहिए। वहीं सरकारी भर्ती पर पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा भिड़ गए। हुड्डा ने कहा कि राज्य के बेरोजगार युवा नौकरी के लिए दूसरे प्रदेश में जा रहे हैं। यहां पीएचडी और एमफिल करने वाले चपरासी की नौकरी की लाइन में लगे हैं। इस पर ढांडा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने घंटे के हिसाब से लेकर भर्ती किए, जिसे पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर ने खत्म किया। इस सेशन में जींद के जुलाना से पहली बार विधायक बनीं इंटरनेशनल रेसलर विनेश फोगाट गैरहाजिर रहीं। वह पहले वायनाड में प्रियंका गांधी का प्रचार करने गईं थीं। इसके बाद महाराष्ट्र में प्रचार किया।

पहला दिन- सदन की शुरुआत राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के अभिभाषण से हुई। उन्होंने अपने अभिभाषण में शिक्षा, रोजगार और आवास को लेकर बड़ी घोषणाएं कीं।

उन्होंने कहा कि कॉमन पात्रता परीक्षा पास युवाओं को अगर एक साल में नौकरी नहीं मिलती है तो सरकार अगले दो साल तक 9 हजार रुपए की वित्तीय मदद देगी।

वहीं सरकार विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों में कार्यरत ग्रुप सी, डी की महिला कर्मचारियों को उनके मनचाहे जिले में तैनात करने के लिए नीति बनाएगी। इसके अलावा सीएम नायब सैनी ने कहा कि राज्य की नौकरियों में अनुसूचित जाति के आरक्षण में वर्गीकरण लागू हो गया है।

मोदी जी ये 5 करोड़ किसकी सेफ से निकला है?, विनोद तावड़े के वीडियो को लेकर राहुल गांधी ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े से जुड़े एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष किया और प्रश्न किया कि ये पांच करोड़ रुपये किसके 'सेफ' से निकला है तथा जनता का पैसा लूटकर किसने टेम्पो में भेजा है। बहुजन विकास आघाडी के नेता हितेंद्र ठाकुर ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा के वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े ने पालघर जिले के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं को पैसे बांटे हैं।

भाजपा ने हालांकि, आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ठाकुर का दावा प्रचार का हथकंडा मात्र है तथा महा विकास आघाडी (एमवीए) हार को भांपकर ये आरोप लगा रहा है। तावड़े और बीवीए नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच टकराव का

एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। राज्य की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

राहुल गांधी ने 'एक्स% पर तावड़े से संबंधित वीडियो को लेकर पोस्ट किया, ''मोदी जी, यह 5 करोड़ किसके 'सेफ' से निकला है? जनता का पैसा लूटकर आपको किसने टेम्पो में भेजा? उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'एक हैं तो सेफ हैं' वाले हालिया बयान की ओर इशारा करते हुए यह तंज कसा। कांग्रेस प्रवक्ता और सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया मंचों पर वायरल एक वीडियो का हवाला देते हुए यह भी कहा कि मतदान से एक दिन पहले प्रकाश में आए इस गंभीर विषय पर चुनाव आयोग मूकदर्शक बने नहीं रह सकता।

सुप्रिया ने कहा, ''भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े खुलेआम पैसे बांटने एक होटल में पहुंचे थे। उनके पास से पांच करोड़ रुपये नकद बरामद हुए हैं।

इसके साथ ही उनके पास एक डायरी मिली है, जिसमें 15 करोड़ रुपये का लेखा-जोखा है।%% उन्होंने सवाल किया, ''ये पैसा चुनाव के महज कुछ घंटे पहले क्यों बांटा जा रहा है? नियम कहता है कि चुनाव प्रचार थम जाने के बाद कोई भी किसी दूसरे चुनावी इलाके में नहीं रह सकता, ऐसे में विनोद तावड़े विरार इलाके में क्या कर रहे थे?%% उन्होंने कहा कि यह महाराष्ट्र के स्वाभिमान का अपमान हो रहा है।

सुप्रिया ने एक अन्य मामले का उल्लेख करते हुए दावा किया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने महाराष्ट्र में विभिन्न परियोजनाओं से जुड़े खर्च का सच राज्य की जनता से छिपाया है। उन्होंने दावा किया, ''9 अक्टूबर, 2023 को कैग मुख्यालय दिल्ली ने आदेश दिया कि महाराष्ट्र में निष्पादन ऑडिट (पीए), राज्य विशिष्ट अनुपालन ऑडिट (एसएससीए) और विषयगत ऑडिट (टीए) रोक दिए जाए। इस आदेश में ये भी कहा गया कि ऑडिट करने वाले फील्ड ऑफिसर अन्य तरह के ऑडिट में लगा दिए जाए। उन्होंने कहा, ''कैग पर केंद्र और राज्य सरकारों के सारे खर्चे और आमदनी को ऑडिट करने की जिम्मेदारी है। लेकिन इस संस्था ने महाराष्ट्र की जनता से सच छिपाया है।

मलेशिया से 1-1 का ड्रा खेलकर 2024 में जीतरहित रहा भारत

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों को राष्ट्रीय पुरुष टीम के मनोलो मार्क्वेज के नेतृत्व में अपना पहला मैच जीतने के लिए मार्च तक इंतजार करना होगा, क्योंकि मेजबान टीम को सोमवार को यहां गाचीबावली स्टेडियम में मलेशिया के विरुद्ध 1-1 से ड्रा करना पड़ा। मैच के शुरुआती क्षणों में भारत अपनी स्थिति मजबूत कर रहा था, लेकिन कप्तान गुरप्रीत सिंह संधू की शुरुआती गलती के कारण गोल पर मिले फ्री पास पर पाउलो जोसु ने गोल कर मेहमान टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी, इससे पहले राहुल भेके ने ब्रैंडन फर्नांडिस द्वारा लिए गए कॉर्नर से बराबरी का गोल किया, जिन्हें मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया और टीमों को बराबरी पर ला दिया। मैच के 19वें मिनट में मलेशिया के आजम आजमी मुराद ने गेंद को क्लीयर किया, जिसे गोलकीपर गुरप्रीत ने क्लीयर करने के प्रयास में बाहर की ओर दौड़ लगाई। उनकी गलत समझ के कारण गेंद आने वाले पाउलो के पैरों तक पहुंच गई, जिन्होंने बिना किसी गलती के इसे इसे गोल में पहुंचा दिया। भारत ने इसके बाद विपक्षी गोल पर हमला करना बंद नहीं किया और अधिकांश हमले विंग्स से किए गए, जिसमें लालियानजुआला चांगटे उत्प्रेरक की भूमिका में थे। 39वें मिनट में रणनीति कारगर साबित हुई। जब ब्रैंडन ने कॉर्नर लेने के लिए कदम बढ़ाया, जिसे चांगटे ने जीता और एक शानदार गेंद डाली, लेकिन भेके ने गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

भारत ने फिर दिया पाकिस्तान को बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर अभी विवाद थम नहीं रहा है कि भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर उसकी औकात दिखा दी। दरअसल, जहां भारत ने सुरक्षा कारणों से चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है। वहीं अब भारत की दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम को पाकिस्तान भेजने की मंजूरी भी नहीं मिली है। भारत ने दृष्टिबाधित टी20 वर्ल्ड कप 2024 से हटने का फैसला किया है, जिसका आयोजन 23 नवंबर से 3 दिसंबर तक पाकिस्तान में होना है। पाकिस्तान पहली बार ब्लाइंड टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी करेगा। इस टूर्नामेंट में पिछले तीन बार का चैंपियन भारत ही है। खेल मंत्रालय ने हाल ही में दृष्टिबाधित क्रिकेट टीम को टी20 वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए पाकिस्तान का दौरा करने की मंजूरी दी थी लेकि विदेश मंत्रालय ने हरी झंडी नहीं दिखाई। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन ब्लाइंट क्रिकेट एसोसिएशन यानी आईबीसीए के महाससिव शैलेंद्र यादव ने बताया कि विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दी और टूर्नामेंट से हटने के लिए कहा। उन्होंने आगे कहा कि, अभी तक सरकार से आधिकारिक अस्वीकृति पत्र नहीं मिला है और उन्हें मौखिक रूप से बताया गया है कि पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं है।

ऋषभ पंत और दिल्ली कैपिटल्स के बीच पैसा नहीं बना दूरी की वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चर्चा में है। आईपीएल 2025 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन में पंत उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिनपर सबकी नजरें होंगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पंत को रिटेन नहीं किया और अब वह ऑक्शन में अपने नाम की बोली लगते हुए देखेंगे। वहीं उम्मीद जताई जा रही है कि पंत पर करोड़ों की बारिश हो सकती है। हालांकि, पंत ने साफ किया है कि उनके ऑक्शन में आने की वजह पैसा नहीं है।

बता दें कि, दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि भले ही दिल्ली ने पंत को रिटेन नहीं किया है लेकिन वह ऑक्शन में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए जरूर बोली लगाएंगे। गावस्कर ने इसी वीडियो में आगे कहा कि, कई बार फ्रेंचाइजी और खिलाड़ी के बीच पैसों को लेकर बातें होती है और दोनों एक फैसले पर नहीं आ पाते। आपने रिटेंशन में भी देखा होगा। हो सकता है ऐसा कुछ हुआ हो लेकिन दिल्ली पंत के लिए बोली जरुर लगाएगा। उन्हें एक कप्तान चाहिए।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया में बनाए गए सबसे बड़े टीम स्कोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के बीच 22 नवंबर से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत होनी है।भारत को अपने पिछली घरेलू टेस्ट सीरीज में करारी शिकस्त मिली है। अब भारतीय टीम हर हाल में जोरदार प्रदर्शन करना चाहेगी।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिहाज से यह सीरीज भारत के लिए अहम होने वाली है।इस बीच ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच हुए मैचों में बने सर्वोच्च टीम स्कोर पर एक नजर डालते हैं। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैचों में सिर्फ एक बार ही कोई टीम 700 रन का आंकड़ा पार कर पाई है।2004 के सिडनी क्रिकेट ग्राउंड टेस्ट में भारत ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 705/7 रन बनाए थे। पहली पारी में सचिन तेंदुलकर की 241* रन की शानदार पारी ने सबका ध्यान खींचा था।उस मैच में वीवीएस लक्ष्मण ने भी 178 रन बनाए थे। हालांकि, वो मैच ड्रॉ पर ही समाप्त हुआ था।

1948 में डॉन ब्रैडमैन की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड टेस्ट में भारत को पारी और 16 रन से हराया था।पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ब्रैडमैन (201) और लिंडसे हैसेट (198*) की पारियों की बदौलत 674 रन बनाए थे।जवाब में भारतीय टीम अपनी पहली पारी में 381 रन बना सकी थी। इसके बाद दूसरी पारी में भारत 277 रन पर सिमट गया था।ऑस्ट्रेलिया के लिए रे लिंडवॉल ने अंतिम पारी में 7 विकेट लिए थे।

साल 2012 में ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी के टेस्ट में भारत को पारी और 68 रनों से हराया था।मेजबान टीम ने 659/4 रन बनाने से पहले भारत को 191 रनों पर आउट कर दिया था।रिकी पोंटिंग (134), माइकल क्लार्क (329*) और माइकल हसी (150*) ने शतक जड़े थे। विशेष रूप से, क्लार्क और हसी ने नाबाद 334 रन की साझेदारी की थी।भारत ने दूसरी पारी में बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन 400 रन ही बना सके थे।

भारत ने 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में अपनी पहली पारी 622/7 के स्कोर पर घोषित की थी। मेहमान टीम से चेतेश्वर पुजारा ने सर्वाधिक 193 रन बनाए थे।उनके अलावा ऋषभ पंत ने भी शतकीय पारी (159*) खेली थी।

भारत के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में सभी विकेट खोकर 300 रन बनाए थे।इसके बाद फॉलऑन खेलते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी के दौरान मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है।5 दिसंबर, 2024 से शुरू होने वाले 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम घोषित की है।शफाली वर्मा को इस सीरीज के लिए नहीं चुना गया है। उनके साथ-साथ श्रेयंका पाटिल भी टीम में अपनी जगह नहीं बना सकी हैं।आइए भारतीय टीम और कार्यक्रम पर एक नजर डालते हैं।

शफाली ने न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ अपनी पिछली वनडे सीरीज में बल्ले से निराश किया था।उन्होंने 3 मैचों में 18.66 की औसत और 133.33 की स्ट्राइक रेट के साथ 56 रन बनाए थे। उनके स्कोर क्रमशः 33, 11 और 12 रन रहे थे।इस साल शफाली ने कुल 6 वनडे खेले, जिसमें 18.00 की औसत और 82.44 की स्ट्राइक रेट के साथ 108 रन बनाए थे। वह कोई अर्धशतक भी नहीं लगा सकी थी। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया जाने वाले भारतीय दल में हरलीन की वापसी होगी, जिन्होंने दिसंबर 2023 में भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।देओल को गुजरात जायंट्स के लिए खेलते समय घुटने में चोट लग गई थी, जिसके कारण वह इस साल डब्ल्यूपीएल में सिर्फ 3 मैचों में ही खेल पाई थी।

इसके साथ-साथ ऋचा घोष ने टीम में वापसी की है, जो अपनी ग्रेड 12 की बोर्ड परीक्षाओं के कारण न्यूजीलैंड श्रृंखला से चूक गई थीं। लेग स्पिनर आशा शोभना और तेज गेंदबाज पूजा वस्त्रकार भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए नहीं चुनी गई हैं।ये दोनों खिलाड़ी टी-20 विश्व कप के दौरान चोटिल हो गई थी।चयनकर्ताओं ने मिन्नू मनी को भी वनडे टीम में पहली बार शामिल किया है, जबकि तेज गेंदबाज तीतास साधु को भी टीम में जगह मिली है।20 वर्षीय साधु पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में वनडे टीम की सदस्य नहीं थीं। सीरीज के पहले 2 वनडे मैच क्रमशः 5 और 8 दिसंबर को ब्रिसबेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेले जाएंगे, जिसके बाद सीरीज का आखिरी मैच पर्थ के वाका ग्राउंड में 11 दिसंबर को खेला जाएगा।

वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रिया पुनिया, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल, यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), ऋचा घोष (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, राधा यादव, तितास साधु, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर और साइमा ठाकोर।

यश दयाल बैकअप के तौर पर भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के तेज गेंदबाज यश दयाल को बैकअप खिलाड़ी के तौर पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज के पिता चंद्रपाल दयाल ने मंगलवार को को बताया।

चंद्रपाल ने खुलासा किया कि पिछले सप्ताह जब यश दक्षिण अफ्रीका में टी20 सीरीज के लिए गए थे, तब उन्हें टीम में शामिल होने के लिए बुलाया गया था और वह 17 नवंबर को टीम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि उनका बेटा इस बहुप्रतीक्षित सीरीज में पदार्पण करेगा।

चंद्रपाल ने को फोन पर बताया, यश को - जब वह दक्षिण अफ्रीका में टी20 टीम के साथ थे - फोन आया कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट टीम में शामिल होना होगा। इसलिए वह 17 नवंबर को वहां गए। वह बैकअप के तौर पर गए हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश को बांग्लादेश सीरीज के खिलाफ पहली बार टीम में शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण नहीं किया है। उन्होंने अपने प्रथम श्रेणी करियर में कुल 24 मैच खेले हैं और इस दौरान 28.89 की औसत से 76 विकेट लिए हैं।

उन्होंने कहा, आज उनका पहला अभ्यास सत्र था। हम बस यही चाहते हैं कि वह जल्द ही अपना डेब्यू करें और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करें। हम बस यही प्रार्थना करते हैं।

26 वर्षीय तेज गेंदबाज, जो हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली भारत ए टीम का हिस्सा थे, को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए उत्तर प्रदेश टीम में भी चुना गया है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), सरफराज खान, विराट कोहली, प्रसिद्ध कृष्णा, रविचंद्रन अश्विन, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), केएल राहुल, हर्षित राणा, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी के लिए बंगाल की टीम में शामिल मोहम्मद शमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगभग एक साल की लंबे चोट के बाद रणजी ट्रॉफ़ी में बेहतरीन वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी के लिए बंगाल की टीम में नामित किया गया है। यह टूर्नामेंट 23 नवंबर से शुरू हो रहा है, और बंगाल का पहला मुक़ाबला पंजाब के ख़िलाफ़ होगा।

इस बार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी में बंगाल टीम की कप्तानी सुदीप घरामी के हाथों में होगी, जबकि रणजी ट्रॉफ़ी में कप्तानी अनुस्तुप मजूमदार ने संभाली थी।

शमी ने अपनी वापसी रणजी ट्रॉफ़ी के जरिए की थी, जहां उन्होंने मध्य प्रदेश के ख़िलाफ़ पहली पारी में चार और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए थे। यह प्रदर्शन उनकी फ़िटनेस और फ़ॉर्म में सुधार का संकेत माना जा रहा है। हालांकि चोट से उनकी रिकवरी उम्मीद से ज़्यादा समय ले गई, जिसके चलते उन्हें बांग्लादेश, न्यूज़ीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ टेस्ट सीरीज़ से बाहर रहना पड़ा। मध्य प्रदेश के ख़िलाफ़ जब पहले दिन शमी ने अपने हाथों में गेंद पकड़ी थी, तो वह कोई ख़ास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे। उस दिन उन्होंने कुल 10 ओवर की गेंदबाज़ी की थी और कोई विकेट नहीं ली। इसके बाद कई सवाल उठने लगे थे कि क्या वह पूरी तरह फ़िट थे? क्या उनकी टखने में परेशानी थी? क्या वह अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाज़ी कर रहे थे? क्या वह पूरी तीव्रता से गेंद डाल रहे थे?

लेकिन उसके बाद वाले दिन शमी ने ऐसे कई प्रश्नों का जवाब देने का अच्छा प्रयास किया था। पहले दिन कोई विकेट नहीं लेने वाले शमी ने दूसरे दिन चार विकेट लिए, जिसके कारण बंगाल की टीम को मध्यप्रदेश के ख़िलाफ़ 61 रनों की अच्छी लीड हासिल करने में सफलता भी मिली। साथ जब यह मैच रोमांचक स्थिति में पहुंचा तो शमी ने तीन विकेट लेकर बंगाल की टीम को जीत दिलाई।

इस मैच के बाद यहां उम्मीद थी कि शमी को बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भी ऑस्ट्रेलिया बुलाया जा सकता है लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

शमी की वापसी को देखते हुए तब बंगाल के कोच लक्ष्मी रतन शुक्ला ने कहा, एक खिलाड़ी जो एक साल बाद वापसी कर रहा है

और 19 ओवर डालकर इतने विकेट लेता है... इसमें कहने के लिए कुछ बचता ही नहीं है। उन्होंने बिना किसी मैच सिमुलेशन के सीधे मैच खेला। जाहिर है कि वह जितना ज़्यादा खेलेंगे, उतना बेहतर होते जाएंगे।

उन्होंने एक छह ओवर और एक पांच ओवर का स्पैल फेंका।

नेशंस लीग : क्रोएशिया, डेनमार्क ने क्वार्टरफाइनल लाइन-अप पूरा किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। जोस्को ग्वार्डियोल ने दूसरे हाफ में बराबरी का गोल किया, जिससे क्रोएशिया ने पुर्तगाल के साथ यूएफा नेशंस लीग के घरेलू मैच में 1-1 से ड्रा हासिल कर क्वार्टरफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

डिफेंडर ने 65वें मिनट में गोल करके जोआओ फेलिक्स के पहले हाफ के ओपनर को रद्द कर दिया, जो एक उच्च गुणवत्ता वाला मुकाबला था।

फेलिक्स के शानदार फिनिश ने पुर्तगाल को 33वें मिनट में बढ़त दिला दी, लेकिन ज़्लाटको डालिक के प्रतिस्थापन ने मेजबान टीम को दूसरे हाफ में वापसी करने के लिए प्रेरित किया। क्रिस्टिजन जैकिक के बेहतरीन क्रॉस ने 65वें मिनट में ग्वार्डियोल को फार पोस्ट पर पाया और डिफेंडर के आत्मविश्वास से भरे फिनिश ने क्वालीफिकेशन को फिर से उनके हाथों में पहुंचा दिया। जबकि पुर्तगाल को पहले से ही ग्रुप ए1 में शीर्ष स्थान की गारंटी थी, क्रोएशिया को पता था कि एक अंक दूसरे स्थान को पक्का करने और अंतिम आठ में जगह बनाने के लिए पर्याप्त होगा।

हालांकि, बर्नार्डो सिल्वा, मैथियस नूनस और रूबेन डायस की अनुपस्थिति में, लेकिन पूर्व सिटी स्टार जोआओ कैंसेलो की कप्तानी वाली पुर्तगाल की टीम ने शुरुआती दौर में दबदबा बनाया और रॉबर्टो मार्टिनेज की टीम ने आधे घंटे के बाद ही शुरुआती सफलता हासिल की।एक अन्य मैच में, डेनमार्क ने लेस्कोवाक में सर्बिया के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के साथ नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए दृढ़ संकल्प दिखाया। मेजबानों ने बेहतर मौके बनाए, जिसमें कैस्पर श्माइचेल ने दोनों हाफ में डुसन व्लाहोविच को गोल करने से वंचित कर दिया, जबकि अलेक्जेंडर मिट्रोविच की एक्रोबेटिक क्लीयरेंस ने दूसरे छोर पर मिकेल डैम्सगार्ड का

प्रयास बेकार कर सर्बिया के स्ट्राहिन्जा पावलोविच को देर से दो बुकिंग के लिए बाहर भेजा गया

और उन्हें लीग ए/बी प्ले-ऑफ में जगह बनाने के लिए संतोष करना पड़ा क्योंकि वे गतिरोध तोड़ने में असमर्थ थे।

दूसरी ओर, स्पेन, जो पहले ही ग्रुप विजेता के रूप में पुष्टि कर चुका है, ने ग्रुप ए4 में अपने अपराजित रिकॉर्ड को स्विट्जरलैंड पर 3-2 की नाटकीय घरेलू जीत के साथ सुरक्षित रखा, ब्रायन ज़ारागोज़ा ने स्टॉपेज टाइम में निर्णायक पेनल्टी को गोल में बदला।

विजयपुर उप चुनाव में बवाल पर सतना में प्रदर्शन

कांग्रेस ने अंबेडकर की प्रतिमा के सामने धरना दिया, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रदेश के विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में उप चुनाव के दौरान हुए बवाल पर सतना में कांग्रेस ने विरोध जताया है। सतना में मंगलवार को कांग्रेसियों ने डॉ अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष धरना दिया और प्रशासन को ज्ञापन सौंप कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। विजयपुर उपचुनाव के लिए 13 नवम्बर को हुए मतदान के दौरान विवाद और डॉ अंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने को लेकर सतना में कांग्रेसियों में आक्रोश गहराया है। मंगलवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी ने सेमरिया चौक स्थित अंबेडकर प्रतिमा के सामने धरना दिया।

मतदान प्रभावित करने के लिए हुआ उपद्रवः कांग्रेसियों ने विजयपुर उप चुनाव के दौरान हुए बवाल का आरोप भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं पर लगाया और कहा कि मतदान प्रभावित करने की कोशिशों के तहत उपद्रव किया गया। डॉ अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ दी गई। दलित बस्तियों में घुसकर मारपीट, आगजनी की गई, फसल जलाई गई। भाजपाइयों के उपद्रव के कारण गोहट गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों को शिकायत लेकर थाने जाने से भी रोक दिया गया है।

दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होः कांग्रेस नेताओं ने इस संबंध में एसडीएम सिटी राहुल सिलाड़िया को ज्ञापन सौंप कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने तथा पीड़ितों को सरकारी मदद दिलाए जाने की मांग की है।प्रदर्शनकारियों में विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष दिलीप मिश्रा, शहर अध्यक्ष एडवोकेट मकसूद अहमद के अलावा उर्मिला त्रिपाठी, प्रदीप समदरिया, नारायण चक्रवती, अफसर अली बाबू, सतेंद्र निगम आदि शामिल रहे।

स्थानांतरण प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम करें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्थानांतरण प्रक्रिया को पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिये ऑनलाइन पोर्टल के प्रावधानों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि शासकीय सेवकों की स्थानांतरण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया जाये। उन्होंने निर्देश दिये कि स्थानांतरण प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम रखने के प्रावधान म-भ्ट्रै पोर्टल में किये जायें। पोर्टल में शासकीय सेवकों की आवश्यकताओं और शासकीय प्रावधानों के अनुरूप सभी जरूरी सुधार सुनिश्चित किए जाएं। स्थानांतरण प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी जाए। रिक्तियों की अद्यतन जानकारी पोर्टल पर समय पर उपलब्ध कराई जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की स्थानांतरण प्रक्रिया के लिए पोर्टल के प्रावधानों की समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के प्रावधानों के अनुसार स्थानांतरण प्रक्रिया में विभिन्न कारणों यथा पति-पत्नी शासकीय सेवक हैं और एक ही कार्यस्थल में पदस्थापना चाहते हैं, स्वयं की गंभीर बीमारी, परिवार के सदस्यों की स्वास्थ्य समस्याओं या अन्य औचित्यपूर्ण कारणों के लिए प्राथमिकता सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि पोर्टल की सभी तकनीकी तैयारियां एक सप्ताह के भीतर पूर्ण की जाएं और इसे दुरुस्त रखा जाए। एमपीएसईडीसी के प्रतिनिधियों ने पोर्टल के प्रावधानों पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी और एमपीएसईडीसी के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जनसुनवाई में 66 प्रकरणों की हुई सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार को जनसुनवाई में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे एवं डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे एवं सुमेश द्विवेदी ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 66 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

पात्र युवा और छुटे हुए मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुडवायें

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने बताया कि फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 के तहत 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक सतना एवं मैहर जिले के समस्त 1950 मतदान केन्द्रों में बीएलओ द्वारा दावा-आपत्ति प्राप्त करने का कार्य जारी है। आयोग द्वारा स्वीप गतिविधियों के माध्यम से 1 जनवरी 2025 की अर्हता तिथि के मान से युवा मतदाता जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है या हो रही है, के साथ-साथ छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराये जाने की अपेक्षा की गई है। इसी अनुक्रम में हायर सेकेण्ड्री स्कूल एवं महाविद्यालयों पर युवा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए ईएलसी क्लब का गठन किया गया है।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने नोडल अधिकारी उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग ईएलसी क्लब की बैठक आयोजित कर पात्र छूटे हुए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कराये जाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। साथ ही हायर सेकेण्ड्री स्कूलों एवं शासकीय, अशासकीय महाविद्यालयों में कैम्पस एम्बेसडर की नियुक्त कर ऐसे छात्र-छात्राएं जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है या 1 जनवरी 2025 को पूर्ण हो रही है, का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराये जाने, समस्त मतदान केन्द्रों में ईआरओ द्वारा बूथ लेवल अवेयरनेस ग्रुप के माध्यम से युवा मतदाताओं एवं छूटे हुए पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित किए जाने हेतु स्वीप गतिविधियों के माध्यम से मतदाताओं को प्रेरित करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

इसी प्रकार जिला स्तरीय स्वीप आईकान एवं सोशल मीडिया के सहयोग से विभिन्न स्वीप गतिविधियों स्लोगन, निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जाकर मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराये जाने के निर्देश दिये। इसके अलावा महिला बाल विकास अधिकारी द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से अपने क्षेत्र में भ्रमण कर घर-घर जाकर छूटे हुए मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करने हेतु प्रेरित कराने के लिए निर्देशित किया है। स्वीप गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कैम्पस एम्बेसडरों को 25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रशस्ति पत्र से सम्मानित भी किया जायेगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सतना एवं मैहर जिले के समस्त पात्र छूटे हुए मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि ऐसे मतदाता जहां सामान्य रूप से निवास कर रहे हैं यदि उनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है तो उस क्षेत्र के बीएलओ से सम्पर्क स्थापित कर मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करा सकते हैं। साथ ही वोटर हेल्पलाईन ऐप के माध्यम से स्वतः अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने की कार्यवाही कर सकते हैं।

गमी में गांव गया परिवार, घर में घुसे चोर

आलमारी से लैपटॉप, 2 टैब और मोबाइल ले गए

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर में सोमवार रात घर का ताला तोड़ कर चोर लैपटॉप समेत अन्य सामान ले गए।। मैहर कोतवाली पुलिस ने मामले को पड़ताल में लिया है।

पुलिस के मुताबिक वार्ड- 14 निवासी रामनिवास सोनी के मकान में किराए से रहने वाले भास्कर बंगाली के घर बीती रात चोरी हो गई। चोर ताला तोड़कर घर में घुसे और आलमारी से लैपटॉप, 2 टैब और मोबाइल ले गए।

मकान मालिक रामनिवास सोनी ने बताया कि मकान किराए से दिया था। उनके यहां गमी में शामिल होने वे 6 नवंबर को परिवार समेत गांव गए थे। मकान सूना पड़ा था, जिसका फायदा उठाते हुए चोर घुसे। किराएदार को चोरी की सूचना दे दी गई है।

लाइट जलती देख हुआ संदेह

मकान मालिक रामनिवास सोनी अलग मकान में रहते हैं। मंगलवार सुबह जब वे किरायेदार भास्कर के घर तरफ गए तो देखा कमरे की लाइट जल रही है। पास जाकर देखा तो बाहर के दरवाजे का ताला टूटा दिखा था, जबकि घर के अंदर भी सामान बिखरा पड़ा था। पुलिस ने प्राथमिक शिकायत ले कर जांच शुरू कर दी है।

अनुदान पोर्टल पर कृषि यंत्र उपकरणों के लिये आवेदन 25 से

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संचालनालय कृषि अभियांत्रिकी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा ई-कृषि यंत्र अनुदान पोर्टल पर कृषि यंत्रों के लक्ष्य निर्धारित कर दिये गये हैं। सहायक कृषि यंत्री सतना एचपी गौतम ने बताया कि किसान ड्रोन के आवेदन ऑन डिमाण्ड श्रेणी अंतर्गत जिले के इच्छुक आवेदक ड्रोन संचालित करने के लिए 25 नवम्बर 2024 से ड्रोन पायलट लायसेंस के प्रशिक्षण हेतु कौशल विकास इंदौर में आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षणार्थियों का चयन प्रथम आओ प्रथम पाओ के आधार पर किया जायेगा। आवेदन के लिए ड्रोन पायलट प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यालय कृषि यंत्री इंदौर अंतर्गत कौशल विकास केन्द्र में प्रारंभ किया जा रहा है। इच्छुक आवेदक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने के उपरांत दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यालय कृषि यंत्री इंदौर में दस्तावेज सत्यापन एवं डिमांड ड्राफ्ट जमा करना होगा। इसके लिए आवेदक की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास एवं आयु 18 से 65 वर्ष होनी चाहिए। आवेदक को ड्रोन पायलट करने के लिए 17000 रूपये का डिमांड ड्राफ्ट सहायक कृषि यंत्री इंदौर के नाम पर कार्यालय कृषि यंत्री इंदौर में जमा करना होगा। आवेदक के पास सरकार द्वारा जारी पहचान प्रमाण पत्र होना चाहिए। किसान ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दस्तावेज सत्यापन के समय आवेदक को स्वयं की मेडिकल फिटनेंस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

संभाग के प्रमुख 4 जिलों में आयोजित होंगे रक्तदान शिविर

कमिश्नर ने की स्वेच्छा से रक्तदान की अपील

22 नवंबर को शिविर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। रीवा संभाग के 4 प्रमुख जिलों में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सतना जिले में 22 नवम्बर, को रक्तदान शिविर होगा। रीवा जिले में 27 नवंबर, सीधी में 20 नवम्बर तथा सिंगरौली जिले में 29 नवम्बर को जिला मुख्यालय में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में कमिश्नर बीएस जामोद ने कहा है कि 18 से 50 वर्ष की आयु के सभी व्यक्ति प्रत्येक 3 माह में रक्तदान कर सकते हैं। आपके द्वारा दिया गया रक्त किसी व्यक्ति के प्राण बचाने के काम आयेगा। संभाग में नवम्बर माह में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। हर व्यक्ति स्वयं रक्तदान करके शिविर को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही अन्य लोगों के लिये प्रेरित करें।

कमिश्नर ने कहा है कि रक्तदान करने से हमारे शरीर को कोई नुकसान नहीं होता है। रक्तदान शिविर के लिये सामाजिक संगठन तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभायें। संभाग के सभी जिलों में नियमित अंतराल से रक्तदान शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे ब्लड बैंक में पर्याप्त मात्रा में रक्त उपलब्ध रहे। कई बार समय पर रक्त प्राप्त न होने से गंभीर रोगियों के प्राण संकट में पड़ जाते हैं। शरीर से जितना रक्त बाहर निकलता है उसका निर्माण कुछ ही दिनों में पुनः हो जाता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति 45 दिनों के अंतराल से नियमित अंतराल कर सकता है। जब हम रक्तदान करते हैं तो हमारे शरीर में नए रक्त का निर्माण होता है। आपके द्वारा किये गये स्वैच्छिक रक्तदान का उपयोग गंभीर रोगियों के प्राण बचाने में किया जायेगा।

महुआ के पेड़ से टकराई कार

तहसील कर्मी और प्राइमरी स्कूल के शिक्षक की मौत

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के भरतकूप थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई। यह हादसा चित्रकूट-बांदा बॉर्डर के पास शुदिनपुर में हुआ। तेज रफ्तार से जा रही चार पहिया वाहन अचानक अनियंत्रित होकर महुआ के पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों की हुई पहचानः हादसे में जान गंवाने वालों में राजाराम (जो तहसील कर्मी थे) और ओमप्रकाश (जो एक प्राइमरी स्कूल के शिक्षक थे) शामिल हैं। राजाराम चित्रकूट के रामचंद्र गाना गांव के निवासी थे। जबकि ओमप्रकाश अतर्रा के रहने वाले थे।

पुलिस ने की कार्रवाईः घटना की सूचना मिलते ही भरतकूप थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शवों का पंचनामा भरने के बाद उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि तेज रफ्तार वाहन के पेड़ से टकराने के कारण यह हादसा हुआ है। इस हादसे के बाद मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। दोनों परिवारों के लिए यह घटना गहरा सदमा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

रामवन में राम छायाचित्र प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय म.प्र. भोपाल के तत्वाधान में कार्यालय संग्रहाध्यक्ष शासकीय तुलसी संग्रहालय रामवन जिला सतना में आयोजित विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर विश्व पटल पर राम छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन मंगलवार को मेडीकल ऑफिसर सज्जनपुर उमाकांत सोनी ने फीटा काटकर किया गया। इस मौके पर छायाचित्र प्रदर्शनी में लगभग 300-350 छात्र-छात्राओं एवं दर्शकों द्वारा अवलोकन किया गया। प्रदर्शनी आम नागरिकों के लिए 19 से 24 नवम्बर 2024 तक प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक निःशुल्क खुली रहेगी।

गांव में फायरिंग के बाद धरना

कलेक्ट्रेट परिसर में बैठे पीड़ित, बोले- हमें जान और इज्जत का खतरा

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट के मानिकपुर थाना क्षेत्र के गढ़चंपा गांव में फायरिंग की घटना के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गांव के दर्जनों लोग मंगलवार को नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब है कि 14 नवंबर को गांव के रामगोपाल पर मिंटू सिंह नामक व्यक्ति ने फायरिंग कर दी थी। इस मामले में थाना कोतवाली मानिकपुर में केस दर्ज किया गया है। रामगोपाल का आरोप है कि मिंटू सिंह से उन्हें जान-माल का खतरा है और प्रशासन उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करे।

इधर, मिंटू सिंह की भाभी ने सोमवार को सैकड़ों ग्रामीणों के साथ डीएम और एसपी को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि उनके देवर को बेवजह फंसाया जा रहा है। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है।

मामले को सुलझाने का दबाव बढ़ गया हैः धरने पर बैठे रामगोपाल और उनके परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होगी, वे वहां से नहीं हटेंगे। रामगोपाल ने प्रशासन से अपील की है कि उनकी इज्जत और जान की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

धरना-प्रदर्शन के चलते प्रशासनिक अधिकारियों पर मामले को सुलझाने का दबाव बढ़ गया है। डीएम और एसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच का आश्वासन दिया है। फिलहाल, धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि वे अपनी मांग पूरी होने तक डटे रहेंगे।

8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के तहत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रघुराजनगर (नगरीय) राहुल सिलाडिया द्वारा आदेशानुसार नदी में डूबने से मृत्यु होने पर 2 व्यक्तियों पर 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

जारी आदेशानुसार निवासी डालीबाबा विजय कुमार अग्रवाल के पुत्र एवं निवासी बजरहा टोला शान्ती के पति की नदी में डूबने से मृत्यु होने पर 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।